डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 08 अंक : 49 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार पत्र | दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

जयपुर » मंगलवार, 14 जून, 2022

hillviewsamachar@gmail.com

दिन-ब-दिन भट्टियों की आग में भभकता जा रहा है गुलाबी शहर जयपुर

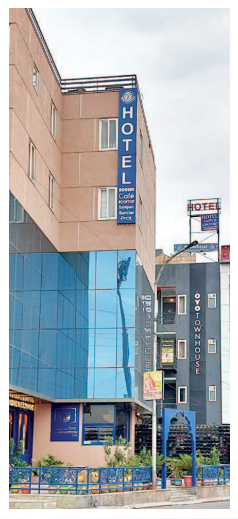

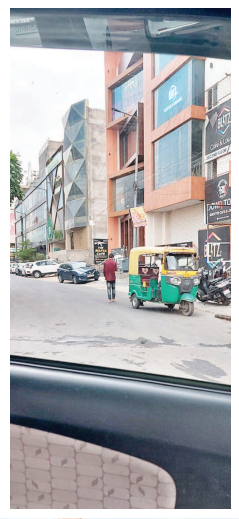

'नगर निगम आपके द्वार' अभियान के तहत मालवीय नगर दौरे पर जाने वाले ग्रेटर नगर निगम के आयुक्त व उनके जत्थे को ये अवैध, बिना आरएमए लाइसेंस, बिना अनुमति चलते होटल, रेस्टोरेंट, कैफ़े नज़र क्यों नहीं आये?

शालिनी श्रीवास्तव

आवासीय भूमियों पर व्यवसायिक भवन और गतिविधियों की झलक एक नज़र में- सुआलाल मार्ग (एसएल मार्ग) मालवीयनगर, बजाज नगर थाना क्षेत्र, जयपुर।

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। शहर में हर गली,मार्ग में आवासीय भवनों में लगातार होटल, रेस्टोरेंट, कैफे,मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबे आये दिन बढ़ते जा रहे हैं। क्योंकि कोई सख्त नियम इन पर लागू नहीं और अगर हैं तो सख्ती की जगह आपसी समझौते ने ले ली है। ठेले वाले सौ रुपये के हफ़्ते में और होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे हज़ारों रुपये हफ़्ते में नगर-निगम, जेडीए और अन्य सम्बंधित विभागों की छत्रछाया में फैलते जा रहे हैं

राजस्थान की राजधानी जयपुर यानी गुलाबी शहर की शांत फ़िज़ाओं में ज़हर घोलने वाली दुर्घटनाएँ दिन-ब-दिन बढ़ती जा रहीं हैं। कभी राजापार्क के बीस दुकानि स्थित तड़का रेस्टोरेंट में आगजनी हो जाती है तो कभी गोविंद मार्ग पर सुबह सवेरे 6 बजे बार से निकली नशे में धुत्त, धनवानों की बिगड़ी संतानें किसी घर के दो मासूम चराग़ों को बुझाती हुई फर्राटे से निकल जाती हैं। कभी टोंक रोड़ के रूफ़ टॉप रेस्त्रां में शॉर्ट सर्किट से आग लगती है तो कभी किसी बार या कैफ़े के बाहर पार्किंग को लेकर युद्ध छिड़ जाता है। सबसे बड़ी बात यह थी बीस दुकान तड़का रेस्टोरेंट के ऊपर स्वयं मालिक का निवास था। इस आगजनी से पति-पत्नी दोनों झुलस गए लेकिन मामले को आग की तरह पानी से बुझा दिया गया।

शाम ढलते ही राजापार्क, मालवीय नगर, वैशाली नगर जैसे सभी रिहायशी पॉश इलाक़े जगमगा उठते हैं। कैफ़े, बार, रेस्टोरेंट, ढाबों पर उमड़ती भीड़ व चौपाटी के चस्के ने यहाँ की आवासीय सुख-चैन को लील लिया है। सड़क चाहे 40 फिट हो या 100 फीट की वह कारों से शाम को लबालब भर जाती हैं। बीच रोड़ पर वाहन खड़े होना आम बात है। उस पर बोनट का डायनिंग टेबल बन जाना या कार में डिनर करना फैशन या आधुनिकता का प्रतिक हो गया है। इस हालात में आप अपने आपको चक्रव्यूह में ही समझिए अगर इस दौरान आपको कोई इमरजेंसी आ जाए और सबसे ज़्यादा सौभाग्यशाली आप जब हैं जबकि आपको किसी न किसी जुगाड़ या उठा-पटक से वहाँ से गुज़रने का रास्ता मिल जाये। अन्यथा जाम लगना, ट्रेफ़िक बढ़ना आम बात हो गयी है। आप आधे घण्टे में शहर घूम कर आ सकते हैं लेकिन मालवीयनगर राजापार्क से सड़क क्रॉस करना या गुज़रना बहुत दिलेरी का काम है।

संबंधित थाने की चेतक पुलिस महाराणा प्रताप के चेतक की तरह मुस्तैद नहीं कि हर आने-जाने वाले राहगीरों के लिए मार्ग बनाने की जहमत उठाये बल्कि आँखों पर समझौते की पट्टी बाँधकर मुँह पर चुप्पी लगाए वह रोज़ एक तरफ़ खड़ी तमाशा देखती है।

आख़िर क्या वजह है कि लगातार शहर के हर मार्ग होटल या ढाबे में तब्दील होते जा रहे हैं? हर कोई स्ट्रीट फूड, कैफ़े, बार, ढाबा,होटल बनाने और बसाने में जुट पड़ा है। निःसन्देह आवासन मण्डल द्वारा जयपुर चौपाटी जैसे प्रोजेक्ट्स लाना एक नवीनीकरण है और इसी तरह के प्रोजेक्ट्स नगर-निगम या जेडीए लाकर इन अवैध होटलों,ढाबों या रेस्टोरेंट्स पर लगाम लगा सकता है। रोज़गार के अवसर दे सकता है।

मालवीय नगर सुआलाल मार्ग की झलकियाँ देखते-देखते लगभग एक दो वर्ष में यह व्यवसायिक मार्ग में बदल गया।

महेंद्र सोनी, आयुक्त, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

आयुक्त महेंद्र सोनी को नगर निगम ग्रेटर में पदासीन हुए दो माह पूरे होने को हैं लेकिन बैठकों से अब तक फ़ी नहीं हो पाए हैं कि आम जनता की दुहाई सुनने का समय निकाल सकें। यह कटु सत्य है कि सिस्टम की कमज़ोरियों और कारगुज़ारियों से भिड़ना हर किसी अफ़सर का माद्दा नहीं हो सकता। इसीलिए अब तक ऐसी कोई क्रांति ग्रेटर नगर निगम में देखने को नहीं मिल पाई है। हालांकि ग्रेटर नगर निगम में उनके जॉइन करते वक्त काफ़ी उठा-पटक पार्षदों और अधिकारियों के बीच चल रहीं थीं और इन्हीं सब स्थितियों को केन्द्रित करके आयुक्त सोनी ने कहा था कि किन्हीं कारणों से कुछ घटनाक्रम हो सकते हैं, उनको देखा जाएगा लेकिन पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर कुछ भी नहीं किया जाएगा। कार्यों को उनकी गुणवत्ता और मेरिट के अनुरूप ही देखा जाएगा। जिससे सामंजस्य भी बढ़े। सभी का ऑब्जेक्टिव आम जनता के कार्यों को करना ही है ऐसे में कोई निजी अहंकार नहीं होना चाहिए। लेकिन आयुक्त सोनी स्वयं अपने अहंकार और बेपरवाही को कहाँ छोड़कर आ पाए हैं?

रश्मि कांकरियाँ तीन विभागों की ज़िम्मेदारियों से पस्त हैं। ऐसे में किसी समस्या का संज्ञान लेकर उस पर कार्यवाही करना क़ाबिले-तारीफ़ है लेकिन उसे अंज़ाम तक न पहुँचाने के पीछे दलीलें देना और बिगड़े हुए सिस्टम को मजबूरी बताकर पल्ला झाड़ना उचित नहीं। द देशी तड़का को लगातार नोटिस देकर आम जनता व मीडिया को संतुष्ट करना ठीक नहीं। ऐसे अवैध धन्धों को सील बन्द कर बाक़ियों के लिए उदाहरण पेश करना निगम व निगम के अधिकारियों के लिए बेहद ज़रूरी हो गया है।

रश्मि कांकरियाँ, स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम ग्रेटर जयपुर

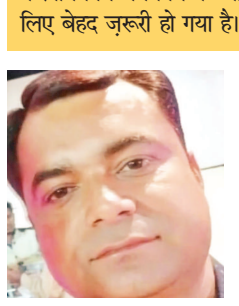

अधिसूचित खाद्य सुरक्षा अधिकारी **दीपक कुमार सिंधी,** (फ़ूड इंस्पेक्टर) जैसे अफसर एक या दो नहीं बल्कि इनका समूह है जो सक्रिय है अवैध व्यापार को बढ़ावा देने में। इनको जन-धन हानि और अनर्गल हानियों से कोई सरोकार नहीं।

-दीपक कुमार सिंधी

सीएमएचओ सेकेंड, डॉ. हंसराज भदालिया

डॉ. भदालिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, आदर्शनगर राजापार्क जैसे अफसर सिस्टम में एक आदर्श उदाहरण हैं जो प्रयासरत हैं कि बिगड़े हुए सिस्टम में सुधार हो। इनके संज्ञान में आते ही अवैध मामलों पर इनकी त्वरित कार्यवाही और विभाग के सम्बंधित अफसरों से जाँच-पड़ताल में सख़्ती एक उदाहरण पेश करती है बिगड़े हुए सिस्टम में।

ख़बर-बेख़बर

शालिनी श्रीवास्तव

आख़िर क्यों फ़लफूल रहे हैं अवैध रेस्टोरेंट और ढाबे

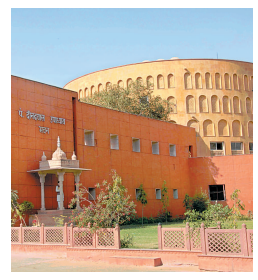

जेडीए, नगर निगम व सम्बंधित थाने की मौन मूक सहमति और समझौते एवं सरकार की इस संबंध में अस्पष्ट नीतियाँ व ढुलमुल नियम-निर्देश इसका सबसे बड़ा कारण हैं। फ़ूड लाइसेंस बना देने और RMA लाइसेंस की मात्र औपचारिकता पूरी करवाकर उसे ठंडे बस्ते में डालकर अवैध रेस्टोरेंट व ढाबों को किस अनैतिक और अंधी दौड़ में ले जा रहे हैं सरकार के दोहरे नियम ?

'एक ही सरकार के दो विभाग एक ही विषय पर दो नियम क्यों?'

होटल, रेस्टोरेंट, कैफे,मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबा आदि लगातार कुकुरमुत्ते से शहर में आये दिन उग रहे हैं। कभी किसी गली में, कभी नुक्कड़ पर, कभी कॉलोनी में,कभी मेन रोड़ पर लेकिन अनायास नहीं पूरी तैयारी के साथ और वह भी आवासीय भवनों में।

एक तरफ़ FASSAI का लाइसेंस लेकर यह खाद्य व्यवसाय आवासीय भवनों में धड़ल्ले से फ़लफूल रहे हैं और दूसरी ओर निगम RMA लाइसेंस उन्हें इसीलिए नहीं दे रहा क्योंकि होटल, रेस्टोरेंट, कैफे,मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबा आदि के संचालन के लिए आवासीय नहीं बल्कि व्यवसायिक भवन का होना अनिवार्य है।

सबसे महत्वपूर्ण बात RMA लाइसेंस की परवाह किसी भी होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबा आदि के संचालक को नहीं क्योंकि निगम की नाक के नीचे एक नहीं अनेकों होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबे बिना आरएमए लाइसेंस के चल रहे हैं। निगम के ज़िम्मेदार अफ़सरों का कहना है कि किस-किस होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे को बंद करें, सभी आवासीय भवनों में संचालित हैं यानी बुराई या अपराध का पैमाना अगर बड़े स्तर पर होगा तो सरकारी नियमों के घुटने टिकवाए जा सकते हैं? सरकारी नियमों को ताक में रखा जा सकता है?

सरकार की इस ढुलमुल व अस्पष्ट नीति के कारण सरकार के ही दो विभाग नगर निगम और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय किस तरह सरकार के रेवेन्यू को चूना लगा रहे हैं यह चिंतनीय विषय है।

पुनः स्मरण हो कि खाद्य व्यवसाय में एक विभाग CMHO The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) लाईसेंस जारी करता है और दूसरा लाइसेंस RMA नगर निगम द्वारा जारी किया जाता है यानी Return Merchandise Authorization लाइसेंस। निगम RMA लाइसेंस इसीलिए अटकाता है क्योंकि ज़्यादातर आवेदन वो होते हैं जो आवासीय भूमि या भवन में कमर्शियल एक्टिविटी कर रहे हैं ।

अब तर्क ये है कि FASSAI का लाइसेंस भी अगर इसी शर्त पर अगर दिया जाने लगे कि भवन या भूमि व्यवसायिक है तो ही यह लाइसेंस जारी किया जा सकता है तो यह कुकुरमुत्ते से उगते अवैध रेस्टोरेंट, ढाबे या होटल जल्द लुप्त हो जाएंगे। लेकिन अफ़सोस सरकार में बैठे उच्च पदाधिकारी का इन सब बातों से कोई सरोकार नहीं। रेवेन्यू को चूना लगे या मिट्टी उनके खाते में लगातार तनख़्वाह पहुँचनी चाहिए। इस संबंध में कोई सुझाव सरकार में यह अफसर क्यों नहीं दे रहे? क्यों सरकार का ध्यानाकर्षण इस ओर नहीं करवाया जा रहा है कि अगर इस पर स्पष्ट व कठोर नियम,क़ानून, क़ायदे बनाएँ जाएँ तो कितना बड़ा रेवेन्यू जनरेट किया जा सकता है?

आइये एक नज़र डालते हैं कि आख़िर इस विषय पर चर्चा क्यों हो रही है ?

नगर निगम ग्रेटर जयपुर

- 14 मई को नगर निगम ग्रेटर मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी रश्मि काँकरिया के संज्ञान में एक इसी तरह का मामला लाया गया कि द देशी तड़का मालवीय नगर में बिना फूड लाइसेंस के लम्बे समय और आवासीय भवन में चल रहा है।
- 17 मई को रश्मि कांकरियाँ ने नोटिस द देशी तड़का को थमा दिया जिसके तहत द देशी तड़का को 7 दिन में जवाब देना था मगर द देशी तड़का का कोई स्पष्टीकरण नहीं आया।
- उसके बाद 30 मई को दुबारा रिमाइंडर नोटिस दिया गया जिसमें 3 दिन की समय सीमा में स्पष्टीकरण हेतु कहा गया।
- लेकिन द देशी तड़का का RMA लाइसेंस फिर भी नहीं बना। यह नगर निगम का अंतिम नोटिस था। जिसकी कॉपी चित्र में दी गयी है। जिसमें नियमों का हवाला देते हुए द देशी तड़का को सील बन्द करने की अंतिम चेतावनी भी दी गयी है।
- लेकिन फ़िलहाल द देशी तड़का लगातार तड़का लगा रहा है यानी चलायमान है।

दूसरी ओर

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, आदर्शनगर राजापार्क

- 17 को नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा जो नोटिस दिया उसके आधार पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ सेकेंड) डॉ हंसराज भदालिया के संज्ञान में यह मामला लाया गया।
- सीएमएचओ सेकेंड ने अपने अधीनस्थ अधिकारी व अधिसूचित खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी को आदेश दिए कि मामले की जाँच करके शीघ्र उस पर कार्यवाही करें।
- फूड इंस्पेक्टर दीपक सिंधी मामला टालते रहें और द देशी तड़का को पूरा समय दिया कि वो लीगल औपचारिकता पूर्ण कर लें। दीपक सिंधी ने पर्याप्त समय के लेकर पार्टी से मिली भगत करके फ़ूड लाइसेंस बनवा दिया।
- इस सबंध में सीएमएचओ सेकेण्ड भदालिया के समक्ष पूरा मामला पुनः लाया गया। उन्होंने त्वरित कार्यवाही करते हुए दीपक सिंधी को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

इन बातों का औचित्य ?

- सरकारी ख़ज़ाने में इज़ाफ़ा करने वाले स्रोतों की अनदेखी,लापरवाही या मिलीभगत कर चूना लगाने की प्रवृति सरकारी विभागों में कितनी बढ़ गयी है?
- इन अवैध व्यवसायों के फलते-फूलते व्यापार का विपरीत असर है ट्रेफ़िक जाम और शहर की शांत आवासीय कॉलोनियों का सुख-चैन छिन गया है।
- आवासीय में व्यवसाय होने के कारण RMA लाइसेंस न देना उचित है लेकिन उसके बावजूद उन होटल, रेस्टोरेंट, कैफे,मिठाई की दुकान, बेकरी या ढाबों का चलना नगर निगम जयपुर की कार्यप्रणाली व कार्यनीति पर कई प्रश्न खड़े करता है।

संपादकीय

मेक इन इंडिया से सुधरेगी रुपये की सेहत, चीन का विकल्प बनकर मैन्यूफैक्चरिंग हब बने भारत

आमतौर पर अगर किसी देश की मुद्रा अन्य देशों की मुद्राओं की तुलना में मजबूत होती है, तो उस देश की अर्थव्यवस्था को बेहतर माना जाता है। आज अमेरिकी डालर को यह रुतबा हासिल है। अमेरिकी डालर को वैश्विक मुद्रा का दर्जा प्राप्त है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अधिकांश भुगतान अमेरिकी डालर में ही होता है। यही वजह है कि डालर के मुकाबले हमारे देश की मुद्रा रुपये की हैसियत से पता चलता है कि भारतीय मुद्रा मजबूत है या कमजोर। देखा जाए तो साल की शुरुआत से ही रुपया डगमगा रहा है। दस जून को यह 77.85 प्रति डालर के स्तर पर था। अमेरिकी डालर के मुकाबले रुपये में देखी गई यह अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। आंकड़ों के अनुसार, आजादी के बाद से हमारा रुपया डालर के मुकाबले लगभग 20 गुना नीचे लुढ़का है। वर्ष 1948 में एक डालर चार रुपये में मिलता था। तब देश पर कोई कर्ज भी नहीं था। वर्ष 1951 में जब पहली पंचवर्षीय योजना लागू हुई तो सरकार ने विदेश से कर्ज लेना शुरू किया। उसके बाद से डालर के मुकाबले रुपये की कीमत भी लगातार कम होने लगी। कालांतर में रुपये की हैसियत में उत्तरोत्तर गिरावट का एक प्रमुख पड़ाव 1991 में भी आया, जब भारत सरकार ने आर्थिक संकट के दौर में रुपये में एकबारगी ही करीब 20 प्रतिशत का अवमूल्यन कर दिया था। उसका उद्देश्य देश से होने वाला निर्यात बढ़ाना था।

वास्तव में रुपये की कीमत पूरी तरह इसकी मांग और आपूर्ति पर निर्भर करती है। आयात और निर्यात का भी इस पर सीधा असर होता है। एक देश जो निर्यात से अधिक आयात करता है, उसकी डालर की मांग अधिक होती है। जैसे भारत निर्यात से ज्यादा आयात करता है। भारत कच्चे तेल के बड़े आयातकों में से एक है। यह अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत कच्चे तेल का आयात करता है। निस्संदेह इन दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ती कीमत रुपये के मूल्य में गिरावट का प्रमुख कारण है। यद्यपि केंद्र सरकार-रिजर्व बैंक ने रुपये की गिरावट को थामने की हरसंभव कोशिश करने का भरोसा दिलाया है, लेकिन अब उन्हें इस दिशा में कुछ ठोस और कड़े कदम उठाने ही होंगे। इस दिशा में सबसे पहले सरकार को आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता घटानी चाहिए। हालांकि ऐसा तभी संभव होगा जब हम तेल के विकल्पों को अपनाएंगे। इस कड़ी में पेट्रोल, डीजल और गैस आधारित गाड़ियों के बजाय इलेक्टिक वाहनों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ने की जरूरत है। ऐसा करने से विदेशी मुद्रा भंडार का एक बहुत बड़ा हिस्सा हम बचा सकते हैं।

रुपये में गिरावट को रोकने और विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार को ऐसे ही कुछ अन्य कदम भी उठाने चाहिए। जैसे कि सरकार को आयात नियंत्रित करने और निर्यात बढ़ाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना चाहिए। यह वक्त मेक इन इंडिया कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का है, जो आठ वर्ष के बाद भी भारतीय अर्थव्यवस्था में अपने प्रभावी योगदान के लक्ष्य से काफी पीछे है। आज भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग) सेक्टर की हिस्सेदारी महज 13 प्रतिशत है। जबकि चीन की जीडीपी में उसके विनिर्माण सेक्टर की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत है। भारत की तुलना में जीडीपी में

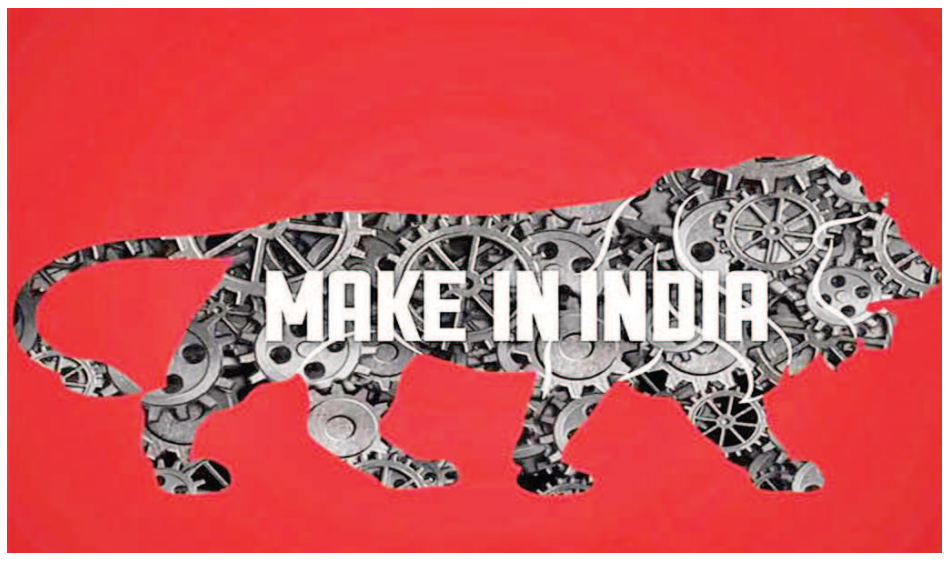

विनिर्माण सेक्टर का बड़ा हिस्सा रखने वाले अन्य एशियाई देशों में दक्षिण कोरिया (26 प्रतिशत), जापान (21 प्रतिशत), थाईलैंड (27 प्रतिशत), सिंगापुर और मलेशिया (21 प्रतिशत), इंडोनेशिया और फिलीपींस (19 प्रतिशत) शामिल हैं।

हालांकि यह सच है कि केंद्र सरकार आर्थिक विकास को गति प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसकी प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए एक प्रतिस्पर्धी परिवेश बनाने का प्रयास कर रही है। इसका परिणाम भी कुछ क्षेत्रों में दिख रहा है। भारतीय कंपनियों द्वारा कोरोनारोधी टीकों का विकास स्वदेशी प्रतिभा का एक ज्वलंत उदाहरण है। इसके बावजूद भारत अपने विनिर्माण क्षेत्र को पूरी तरह पुनर्जीवित करने में विफल रहा है। जाहिर है यह मेक इन इंडिया अभियान को भी अपेक्षित सहयोग नहीं दे पा रहा है। यही वजह है कि स्वरोजगार को बढ़ावा देने के तमाम प्रयासों के बावजूद बेरोजगारी के स्तर ने चार दशकों का रिकार्ड तोड़ दिया है। भारत का मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर आज जिस स्थिति में है उसके लिए सिर्फ कोरोना जिम्मेदार नहीं है। दरअसल हमारा विनिर्माण क्षेत्र कागजी कार्रवाई में उलझा हुआ है। श्रम, भूमि और पर्यावरण मंजूरी से जुड़े नियमों-कानूनों के आगे विवश है। कराधान और सीमा शुल्क की नीतियां इस हद तक पेचीदा हैं कि घरेलू स्तर पर निर्माण के बजाय कई वस्तुओं का आयात सस्ता पड़ता है। इसमें दोराय नहीं कि भारत भविष्य में खुद को अगला 'वैश्विक कारखाना' बना सकता है। कोरोना के बाद यह साफ दिख रहा है कि दुनिया चीन से तंग आ चुकी है। अब एक वैकल्पिक मैन्यूफैक्चरिंग हब की तलाश कर रही है। भारत यह विकल्प बन सकता है। आवश्यकता है बोडिल नियमों से देश के विनिर्माण क्षेत्र को मुक्त किया जाए। निश्चित रूप से ऐसे प्रभावी कदमों के जरिये डालर के मुकाबले रुपये की गिरावट पर लगाम लगाई जा सकती है।

इसके साथ ही यदि हम स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना शुरू कर दें तो विदेशी वस्तुओं को आयात करने का खर्च बच जाएगा। भारत को वर्ष 2025 तक पांच लाख करोड़ (टिलियन) डालर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें कम से कम 2.5 टिलियन डालर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात करने की आवश्यकता है, क्योंकि अभी कुल जीडीपी में निर्यात का योगदान लगभग 25 प्रतिशत है। कुल मिलाकर भारत के पास रुकने का समय नहीं है। हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं, लेकिन यात्र अभी खत्म नहीं हुई है।

वर्चुअल दुनिया में दिखाएं समझदारी

वर्चुअल वर्ल्ड में फेम पाना कहें या लाइक्स और फॉलोअर्स का लालच, यह लोगों को ऑनलाइन रैगिंग का शिकार बना रहा है. साइबर बुलिंग के मामले लड़कियों और महिलाओं के साथ अधिक सामने आते हैं. कोरोनाकाल में यह काफी देखने को मिला. वर्चुअल दुनिया में आपकी उपस्थिति जरूरी है, लेकिन यहां समझदारी भी रखना बेहद आवश्यक है.

अंतर समझें

- **पहला**, सामान्य बुलिंग में आपको पता होता है कि कौन आपको परेशान कर रहा है, लेकिन साइबर बुलिंग में परेशान करने वाले का पता नहीं होने से बचना मुश्किल हो सकता है. इसमें साइबर सेल की मदद लेनी पड़ती है.
- **दूसरा**, यह कुछ ही सेकेंड्स में सैकड़ों-हजारों लोगों तक पहुंच जाता है.
- **तीसरा**, इसमें बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करने की क्षमता है.

ये सेटिंग्स ध्यान रखें

पर्सनल लाइफ/ इमोशन न करें साझा
खुश हैं तो दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करें और दुखी हैं तो परिवार या करीबियों के साथ बातें साझा करें. अपनी हर व्यक्तिगत गतिविधि, फीलिंग सैड या हैप्पी जैसे इमोशन सोशल मीडिया पर शेयर न करें.

एडिक्शन न बनाएं
इसे एक टेक्नोलॉजी की तरह प्रयोग में लें. इसे एडिक्शन न बनाएं. इस पर लाइक्स और फॉलोअर्स के पीछे न भागें.

निगेटिव कंटेंट करें डिसलाइक
निगेटिव कंटेंट या ऐसी पोस्ट को गलती से लाइक कर दें तो तुरंत उसे डिसलाइक करें.

ग्रुप्स के लिए परमिशन
कई एप्स में ऐसी सेटिंग्स उपलब्ध हैं, जिन्हें ऑन कर दें तो कोई भी बिना परमिशन के आपको ग्रुप में एड नहीं कर सकेगा.

इस पर विचार करें

सोशल मीडिया अकाउंट की सेटिंग्स में प्राइवेसी में आप 'फ्रेंड्स ऑफ फ्रेंड्स' के विकल्प का चयन न करें. क्योंकि आप अपने फ्रेंड्स के बारे में तो जानते हैं, लेकिन आपके फ्रेंड्स के दोस्त कैसे हैं, उनके बारे में कुछ नहीं जानते.

क्या कहता है कानून

- सभी लोग आपको बताएंगे कि साइबर बुलिंग को लेकर कोई विशेष कानून नहीं है, कोई प्रावधान नहीं. यह बात सही है, लेकिन यह गलत है कि कानून मदद नहीं करता.
- जब आप साइबर बुलिंग के पीड़ित बन चुके हों तो आईपीसी और कभी-कभी आईटी एक्ट मदद करता है. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित करने आदि के लिए आईटी एक्ट की धारा 67 है, जो जेंडर न्यूट्रल है. जबकि आईटी की धारा 509 कहती है कि शब्द या गतिविधि या संकेत अगर महिलाओं की मॉडेस्टी को भंग करता है तो इसके खिलाफ मामला दर्ज हो सकता है.
- साइबर बुलिंग कैसे किया गया है, उस हिसाब से आईपीसी और आईटी एक्ट की धाराओं का प्रयोग किया जा सकता है. आप पुलिस में शिकायत दर्ज करवाएं. इसके अलावा www.cybercrime.gov.in में ऑनलाइन शिकायत कर सकती हैं. हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए ग्रीवांस ऑफिसर अपॉइंट करना अनिवार्य किया गया है, आप वहां भी शिकायत कर सकती हैं.

जानिए इन टर्म्स को

- **कैट फिशिंग** : किसी की प्रोफाइल चुराना या लोगों को ऑनलाइन रिलेशनशिप शुरू करने का लालच देकर नकली प्रोफाइल बनाना.
- **डिसिंग** : ऐसी जानकारी भेजना या पोस्ट करना जो किसी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए हो.
- **फ्रेपिंग** : किसी और के खाते में लॉगइन करना, उन्हें कॉपी करना या उनके नाम पर अनुचित सामग्री पोस्ट करना.
- **ग्रिफिंग** : ऑनलाइन गेमिंग के माध्यम से लोगों को अपशब्द कहना और गुस्सा करना.
- **गोट** : किसी के बारे में व्यक्तिगत, निजी या शर्मसार करने वाली जानकारी, फोटो या वीडियो ऑनलाइन साझा करना.

आज विश्व **नेत्रदान** दिवस

नेत्रदान, रक्तदान से कम पुण्य का काम नहीं, क्योंकि इस दान से आप किसी की जिंदगी में उजाला ला सकते हैं. आंखें हमारे जिंदा रहने तक तो हमारी जिंदगी रोशन करती ही हैं, मरने के बाद भी ये किसी दूसरे की जिंदगी में उजाला भर सकती हैं. हर साल 10 जून को नेत्रदान दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाना है. आज हमारे देश में ऐसे कई लोग हैं जो या तो किसी दुर्घटनावश या फिर जन्मजात अंधे हैं. जागरूकता और कुछ प्रयासों के माध्यम से इन्हें एक बेहतर जिंदगी दी जा सकती है. तो नेत्रदान की महत्वता समझें और आगे बढ़कर अपनी आंखें दान करने की शपथ लें.

अँधेपन और आँखों से जुड़ी समस्याएं

हाल-फिलहाल बदलती लाइफस्टाइल, अनियमित दिनचर्या, प्रदूषण और बहुत ज्यादा स्ट्रेस की वजह से ज्यादातर लोग आंख से जुड़ी समस्याओं का शिकार होने लगे हैं. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कॉर्निया की बीमारियां (कार्निया की क्षति, जो कि आंखों की अगली परत है), मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद, दृष्टि हानि अंधेपन के प्रमुख वजहों में से एक है. ब्लड कैंसर जैसी बीमारियों के कारण भी कई अभागे अपनी आंखें गवां बैठते हैं. गांवों से लेकर शिक्षित समाज तक में आज भी नेत्रदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां हैं कि आंखें दान कर देने से अगले जन्म में अंधे पैदा होंगे, नेत्रदान से शरीर खराब हो जाता है आदि. तो इन्हें दूर करने का प्रयास करें क्योंकि इनमें किसी भी तरह की सच्चाई नहीं. मरने के बाद नेत्रबैंक के व्यक्ति मृतक के चेहरे को बिना बिगाड़े आसानी से आंखों को निकाल लेते हैं.

दूसरों की ज़िंदगी को रोशन करेंगी आपकी आंखें

कौन नहीं कर सकता

कई सारे गंभीर रोगों से पीड़ित व्यक्ति नेत्रदान नहीं कर सकते हैं. जैसे- एड्स, हैपेटाइटिस, पीलिया, ब्लड कैंसर, रेबीज (कुत्ते का काटा), सेप्टीसिमिया, गैंगरीन, ब्रेन ट्यूमर, आंख के आगे की काली पुतली (कार्निया) की खराबी हो, अथवा जहर आदि से मृत्यु हुई हो या इसी प्रकार के दूसरे संक्रामक रोग हों, तो इन्हें नेत्रदान की मनाही होती है.

कौन कर सकता है डोनेट

चश्मा पहनने वाले, मधुमेह (डायबिटीज), अस्थमा, उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) और अन्य शारीरिक विकारों जैसे सांस फूलना, हृदय रोग, क्षय रोग आदि के रोगी नेत्र दान कर सकते हैं. इसके अलावा मोतियाबिंद या आंखों का आपरेशन करवाने वाले व्यक्ति भी आसानी से नेत्रदान कर सकते हैं.

कितना वक्त लगता है

नेत्रदान का पूरा प्रोसेस आसान होने के साथ मात्र 15-20 मिनट में पूरा भी हो जाता है.

माता-पिता न करें गलतियां

दबाव का मेंटल हेल्थ पर असर

आजकल के बिजी लाइफस्टाइल में लोगों के लिए पैरेंटिंग एक जटिल प्रक्रिया हो सकती है. अगर चीजें सही तरीके से नहीं की जाती हैं तो बच्चे की परवरिश एक बुरे सपने में बदल सकती है. इस प्रक्रिया में व्यक्ति को जिम्मेदार होना चाहिए और कोई लापरवाही नहीं करनी चाहिए, ताकि बच्चे का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा बना रहे. ऐसी गलतियां आपकी अपने बच्चे की लाइफ में कम इन्वोल्वमेंट से लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव होने और बच्चे को जरूरी प्राइवेसी देने तक, अलग-अलग हो सकती हैं. हालांकि इनमें से कुछ ऐसी गलतियां हैं जिन्हें जल्दी से ठीक किया जा सकता है, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो आपके बच्चे के लिए स्थायी मानसिक समस्याएं पैदा कर सकती हैं.

- **खतरनाक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना**- आज का हमारा समाज बच्चों पर स्कूल में बहुत अच्छा परफॉर्म करने पर जोर देता है और केवल कुछ करिअर स्ट्रीम को ही अच्छा मानता है. ये हमें एक संकीर्ण सोच वाली पैरेंटिंग अप्रोच की ओर ले जाता है, जहां आप अपने बच्चों को ये चुनने नहीं देते कि क्या करना है. ऐसे में हर समय तुलना किए जाने के कारण उनका आत्मविश्वास खो सकता है, बच्चा डिप्रेशन और स्ट्रेस से पीड़ित हो सकता है, और जिस स्ट्रीम में वो एनरोल्ड (नामांकन) है, उसमें भी उसका इंट्रेस्ट खत्म हो सकता है.
- **माइक्रोमैनेजमेंट**- जब आप अपने बच्चों का माइक्रोमैनेजमेंट करते हैं, तो इससे उन्हें एक तरह से हर समस्या का समाधान चम्मच से खिलाया जाता है. ये तरीका बच्चों में किसी भी समस्या को सुलझाने की मानसिकता को अच्छी तरह विकसित नहीं होने देता है. नतीजतन, बच्चे अपने माता-पिता पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाते हैं और अपने दम पर खड़े नहीं हो पाते हैं. एक वक्त ऐसा आता है कि बुद्धिमान होने के बावजूद, वो अपनी भावनात्मक अपरिपक्वता की वजह से लाइफ की छोटी-छोटी समस्याओं को भी ठीक से हल नहीं कर पाते हैं. ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाना बेहद जरूरी है.

*- **डराना-धमकाना**- कभी-कभी पैरेंट्स अपने बच्चों पर बहुत ज्यादा कंट्रोल करने लगते हैं. वे बच्चों के लिए सभी शर्तों को निर्धारित करते हैं और उन्हें कोई भी चीज या खेल चुनने या मजे लेने की कोई फ्रीडम नहीं देते हैं. डराने-धमकाने का पैरेंट्स का ये व्यवहार नियम तोड़ने पर अपने बच्चों को सजा देने लिए प्रेरित करता है और इस प्रोसेस में, बच्चे अपना आत्मसम्मान और आत्मविश्वास खो देते हैं. उनमें एंग्जाइटी आना शुरू हो जाता है और ऐसे में दूसरों के साथ विश्वास और घनिष्ठता बढ़ाना ऐसे बच्चों के लिए मुश्किल हो जाता है.*

- **बच्चे की भावनाओं को न समझना**- बच्चों के साथ बेहतर संवाद बहुत जरूरी है, ताकि वे आपके साथ अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में झिझकें नहीं. लेकिन जब वे ऐसा करते हैं तो उन भावनाओं को सिरे से खारिज करके या अपने अनुभवों के बारे में बात करके उन्हें गलत साबित करने की कोशिश करने के बजाय, उनके लिए एक अच्छा श्रोता बनें. उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें, न कि उन्हें उसके लिए डांट लगाएं.
- **उपेक्षित करना**- बच्चों के साथ जरूरत से ज्यादा इन्वॉल्व होना कठिन है, लेकिन इन्वॉल्व नहीं होने की वजह से भी आपके बच्चे लंबे समय में आपसे अलग हो सकते हैं. अपने बच्चों को नज़रअंदाज करना और उनकी उपलब्धियों पर पर्याप्त प्रशंसा नहीं दिखाना, उनमें आत्मविश्वास की कमी का कारण बन सकता है. जहां वे एक कम उपलब्धि वाले इंसान की तरह महसूस करते हैं. इससे वे हमेशा खुद को आपके प्यार और ध्यान के योग्य साबित करने की कोशिश करते रहते हैं. भावनात्मक उपेक्षा से बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, क्योंकि उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नहीं होता है.

घर नज़र आएगा खुला-खुला

बड़े शहरों में बड़ा घर लेने के लिए अच्छा-खासा इनवेस्टमेंट करना पड़ता है, जिसे कम सैलेरी में न खरीदना पॉसिबल होता है, न ही उसे मेन्टेन कर पाना. सिंगल लोगों के लिए 1BHK अपार्टमेंट बेस्ट होता है जिसे कम बजट में भी मैनेज किया जा सकता है. तो आज हम कुछ ऐसे टिप्स आपके साथ शेयर करने वाले हैं जिसकी मदद से आप न सिर्फ छोटे से घर को खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इससे घर बड़ा और खुला-खुला भी नजर आएगा.

चुनें न्यूट्रल शेड

छोटे से घर को बड़ा और खूबसूरत दिखाना है तो दीवारों के लिए लाइट शेड चुनें, जैसे- व्हाइट, टैन या फिर ग्रे कलर. हां, फर्नीचर आप बोल्ड कलर के चुन सकते हैं. हल्के रंग नेचुरल लाइट को अवशोषित करने का काम नहीं करते, जिससे घर ठंडा भी रहता है. लाइट शेड वाली दीवारों के साथ डार्क कलर के फर्नीचर का कॉम्बिनेशन बहुत अच्छा लगता है.

फोल्डेबल फर्नीचर

छोटे से घर को बहुत ज्यादा फर्नीचर से न भरें. इससे न सिर्फ घर भरा-भरा दिखेगा, बल्कि चलते वक्त कई बार चोट लगने की संभावना भी बनी रहती है. तो ऐसे में उन फर्नीचर को जगह दें जिसे आप अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं और जरूरत के हिसाब से उन्हें फोल्ड करके हटा भी सकते हैं. बॉक्स वाले बेड भी अच्छे होते हैं. इनमें आप बाहर रखे हुए सामान को सलीके से सुरक्षित रख सकती हैं.

मिनिमल डेकोर

सजावट के लिए बड़ी-बड़ी पेंटिंग्स, झूमर या लाइट्स लगाने से पहले अपने घर का एरिया देख लें क्योंकि अगर खूबसूरती के चक्कर में इन्हें जगह दे दी तो घर बहुत ज्यादा भरा हुआ दिखाई देगा. इनकी जगह छोटे-छोटे हैंगिंग प्लांटर्स मतलब लटकने वाले पौधों को जगह दें. जो घर को न सिर्फ खूबसूरत, बल्कि हरा-भरा भी दिखाएंगे.

दीवारों से अटैच शेल्फ

किताब, क्रॉकरी या अन्य दूसरी चीजों को रखने के लिए अलग से कैबिनेट्स या बॉक्स लेने की जगह दीवारों पर ऐसी व्यवस्था करें जिसमें इन्हें रखा जा सके. इससे काफी जगह बचेगी, जिससे घर खुला और खूबसूरत नजर आएगा.

हर मौके पर ऑर्गेन्जा का जलवा

ऑर्गेन्जा फैब्रिक देखने में जितना अलग होता है, पहनने में उतना ही स्टाइलिश और कंफर्टेबल. गर्मियों के लिए तो ऑर्गेन्जा फैब्रिक के आउटफिट्स बेस्ट ऑप्शन हैं. ऑर्गेन्जा फैब्रिक साड़ी हो, कुर्ता, टॉप या फिर श्रग, हर एक को आप कैजुअल से लेकर खास मौकों पर पहन सकती हैं. आजकल तो बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को भी ऑर्गेन्जा आउटफिट्स में देखा जा सकता है.

दुपट्टा

कॉटन, जॉर्जेट, शिफॉन किसी भी तरह के कुर्ते पर ऑर्गेन्जा दुपट्टा कैरी कर सकती हैं. स्लीवलेस हो या फुल स्लीव, दोनों ही तरह के कुर्ते पर ये बहुत खूबसूरत लगते हैं.

साड़ी

ऑर्गेन्जा साड़ी तो इस समय का सबसे स्टाइलिश ऑप्शन है. इसे आप अलग-अलग तरह के ब्लाउज के साथ टीमअप करें. बेल्ट के साथ ऑर्गेन्जा साड़ी का लुक तो और कमाल लगता है.

सूट

दुपट्टा से लेकर कुर्ते तक में इस फैब्रिक को आप ट्राय कर सकती हैं. मतलब ओवरऑल सूट भी अगर ऑर्गेन्जा फैब्रिक का होगा तो वो बहुत ही खूबसूरत लगेगा.

ड्रेस

ऑर्गेन्जा फैब्रिक वाली ड्रेस को आप बीच वेकेशन से लेकर पार्टी इवेंट तक में पहन सकती हैं.

लहंगा

अपने शादी फंक्शन में या फिर दोस्त की शादी फंक्शन में, अलग लुक चाहिए तो इस फैब्रिक का लहंगा चुनें.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

जयपुर » मंगलवार, 14 जून, 2022

RBSE 10वीं का रिजल्ट जारी

82.89 प्रतिशत रहा परिणाम, लड़कियां फिर आगे, पासिंग पर्सेंटेज 84.38 रहा

हिलव्यू समाचार

अजमेर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की सेकेंडरी, प्रवेशिका और सेकेंडरी(व्यवसायिक) एग्जाम का रिजल्ट सोमवार दोपहर जारी कर दिया गया। शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने जयपुर के शिक्षा संकुल के कॉन्फ्रेंस हाल में रिजल्ट घोषित किया। इस साल कुल रिजल्ट 82.89 प्रतिशत रहा।

पिछले साल कोरोना के कारण एग्जाम नहीं हुए थे और बोर्ड का रिजल्ट 99.56 प्रतिशत रहा था। यह बोर्ड इतिहास में सबसे ज्यादा था, ऐसे में इस बार का रिजल्ट इससे कम रहा। लड़कियों ने इस बार भी बाजी मारी। लड़कियों का पासिंग प्रतिशत 84.38 रहा, जबकि लड़कों का पासिंग प्रतिशत 81.62 है।

पिछले साल से इस साल रिजल्ट करीब 17 प्रतिशत कम रहा। साल 2021 में 10वीं का रिजल्ट 99.56 प्रतिशत रहा। वहीं, साल 2020 में 80.64 प्रतिशत रहा था। कोरोना की वजह से साल 2021 में एग्जाम नहीं कराए गए और तय फॉर्मूला पर रिजल्ट जारी किए गए। इस साल 10वीं परीक्षा के लिए कुल 10 लाख 92 हजार 524 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड किए गए। इनमें से 10 लाख 59 हजार 272 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी। कुल 8 लाख 77 हजार 848 स्टूडेंट्स पास हुए।

रेगुलर स्टूडेंट्स का रिजल्ट 82.95 प्रतिशत रहा। जबकि प्राइवेट का 31.13 प्रतिशत रहा। लड़कियों का पासिंग प्रतिशत 84.38 रहा, जबकि लड़कों का पासिंग प्रतिशत 81.62 है।

जयपुर में जेईएन 50 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप

5 लाख के बिल पास करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर एसीबी ने आज शिक्षा संकुल में समग्र शिक्षा अभियान में तैनात जेईएन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी 5 लाख रुपए के बकाया बिलों और डिफेक्ट लाईबिलिटी के भुगतान की एवज में 1 लाख 28 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था।

आरोपी पूर्व में भी पीड़ित से 26 हजार रुपए रिश्वत के ले चुका था। आज 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए आरोपी को शिक्षा संकुल में गिरफ्तार किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर एसीबी मुख्यालय लाया गया है। जहां उससे पैसों की बंदर बांट कहां होने वाली थी इस सम्बंध में पूछताछ की जा रही है। एसीबी के एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी ज्ञानप्रकाश शुक्ला पुत्र अतरलाल के निवास प्लॉट नं0 4, शान्ति नगर, 132 केवी जीएसएस, पुराने घाट के सामने गोनेर रोड़ में भी एसीबी की टीम के द्वारा सर्च किया जा रहा है। परिवार के लोगों से सम्पत्ति का ब्यॉरा भी लिया जाएगा।

राजस्थान में फिर भड़का आरक्षण आंदोलनः भरतपुर में इंटरनेट बंद, नेशनल हाईवे- 21 दो दिन से जाम, हाथों में लाठियां लेकर बैठे लोग

निजी संवाददाता

भरतपुर। राजस्थान में एक बार फिर आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन शुरू हो गया है। अब माली, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज ने अलग से 12% आरक्षण देने की मांग की है। समाज के सैकड़ों लोगों ने हाथों में लाठियां लेकर भरतपुर में नेशनल हाईवे-21 को जाम कर दिया। इधर, संभागीय आयुक्त ने सोमवार सुबह 11 बजे से 24 घंटे के लिए चार कस्बों में इंटरनेट बंद कर दिया। आरक्षण संघर्ष समिति के संरक्षक लक्ष्मण सिंह कुशवाहा ने कहा- समाज के लोग संविधान के तहत आरक्षण की डिमांड कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद संख्या 16 (4) में व्यवस्था दी गई है। वे जातियां जो अति पिछड़ी हुई हैं, उन्हें राज्य सरकार अपने स्तर पर आरक्षण दे सकती है। इसका केंद्र से कोई मतलब नहीं है। आज समाज में न तो कोई IAS अधिकारी है और न RAS है।

कुशवाहा ने कहा- काची समाज अति पिछड़े में आता है। काची समाज की जनसंख्या 12 प्रतिशत है, इसलिए हम जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मांग रहे हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री से मिल चुके हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि इस पर विचार किया जाएगा, लेकिन आज तक कोई विचार नहीं किया। जिसके बाद मजबूर होकर समाज के लोगों ने चक्का जाम किया है। अभी तक सरकार का कोई प्रतिनिधि बात करने अरोदा नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा- हम प्रशासनिक स्तर पर बात नहीं करेंगे।

अफवाह को रोकने के लिए नेटबंदी

भरतपुर संभागीय आयुक्त सावरमल वर्मा ने बताया कि माली, सैनी, कुशवाहा शाक्य, मौर्य समाज की ओर से 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गई है। इसे लेकर नेशनल हाईवे-21 जाम कर दिया गया है। जयपुर-आगरा यातायात बाधित हो गया है। शांति और कानून व्यवस्था को बिगड़ने की संभावना को देखते हुए इंटरनेट और ब्रॉडबैंड की सेवाओं पर रोक लगाई गई है। हालात देखते हुए सोशल मीडिया के जरिए जिले की कानून व्यवस्था को ख़राब किया जा सकता है। नदबई, वैर भुसावर और उच्चैन तहसीलों में इंटरनेट सेवा बंद की गई है। यह इंटरनेट 13 जून सुबह 11 बजे से 14 जून सुबह 11 बजे तक बंद रहेगा।

राहुल से ईडी की 3 घंटे पूछताछ

सड़क पर धरना दे रहे सीएम गहलोत-बघेल समेत कई सांसद हिरासत में, उनसे मिलने प्रियंका थाने पहुंचीं

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में ED की राहुल गांधी से 3 घंटे पूछताछ की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ED के अफसर उनसे 50 से ज्यादा सवाल कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले कांग्रेस ने इस कार्रवाई का जमकर विरोध किया। सुबह से पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली मे जगह-जगह राहुल के पोस्टर लगा दिए थे। जिस पर लिखा था- ये राहुल गांधी है, झुकेगा नहीं। देश के अन्य हिस्सों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने धरना देकर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस मुख्यालय से ED ऑफिस तक का रास्ता सीलः कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से ED ऑफिस तक का रास्ता सील कर दिया था। ED दफ्तर के पास थ्री-लेयर सुरक्षा घेरा है। पहले घेरे के पास ही पुलिस ने कांग्रेस का मार्च रोक लिया था। यहां कार्यकर्ताओं की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। इससे पहले सोमवार सुबह राहुल गांधी से जांच के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस मुख्यालय से हिरासत में ले लिया था।

असिस्टेंट डायरेक्टर लेवल के अफसर कर रहे पूछताछः ED सूत्रों की मानें तो आज राहुल से असिस्टेंट डायरेक्टर लेवल के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। पूछताछ सामान्य तरीके से की हो रही है, जैसे बाकी आने वाले लोगों से की जाती है। जांच के दौरान राहुल गांधी अपना मोबाइल फोन यूज नहीं कर पाएंगे।

राहुल के लिए ED के सवालों की लंबी सूची तैयारः ED ने राहुल गांधी से पूछताछ के लिए सवालों की लंबी सूची तैयार की है। लगभग दो दर्जन सवाल ED के अफसर पूछेंगे, जो सभी नेशनल हेराल्ड और यंग इंडिया कंपनी से जुड़े हैं। राहुल गांधी यंग इंडिया कंपनी में अपनी मां सोनिया गांधी के साथ 38-38त्न के हिस्सेदार है। बाकी हिस्सेदारी कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस के पास है। इन दोनों नेताओं का देहांत हो चुका है।

केस को ऐसे समझिएः 1938 में कांग्रेस पार्टी ने एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड बनाई थी। इसी के तहत नेशनल हेराल्ड अखबार निकाला जाता था। उस वक्त AJL पर 90 करोड़ से ज्यादा का कर्ज था और इसी को खत्म करने के लिए एक और कंपनी बनाई गई। जिसका नाम था यंग इंडिया लिमिटेड। इसमें राहुल और सोनिया की हिस्सेदारी 38-38% थी।

यंग इंडिया को AJL के 9 करोड़ शेयर दिए गए। कहा गया कि इसके एवज में यंग इंडिया AJL की देनदारियां चुकाएगी, लेकिन शेयर की हिस्सेदारी ज्यादा होने की वजह से यंग इंडिया को मालिकाना हक मिला। AJL की देनदारियां चुकाने के लिए कांग्रेस ने जो 90 करोड़ का लोन दिया था, वह भी बाद में माफ कर दिया गया।

यह तानाशाही पूरा देश देख रहा है, लोग बर्दाश्त नहीं करेंगेः गहलोत

जयपुर। राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड केस में ईडी से पूछताछ के मामले में सियासत गर्मा गई है। सोमवार को एआईसीसी दफ्तर से ईडी ऑफिस जाने से पहले ही कांग्रेस नेताओं को रोककर हिरासत में ले लिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित राजस्थान के कई नेताओं को भी हिरासत में ले लिया गया। मुख्यमंत्री गहलोत ने दिल्ली पुलिस के रोके जाने पर बहस भी की। गहलोत ने दिल्ली पुलिस से कहा- पांच लोगों को जाने देने से क्या फर्क पड़ेगा? आपकी अंतरात्मा भी हमारी तरह ही है, हमें जाने दीजिए। दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग करके रास्ता बंद कर दिया था। गहलोत और कांग्रेस नेताओं की बहस के बावजूद उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया।

गहलोत बोले- यह तानाशाही पूरा देश देख रहा हैः हिरासत में लेने के बाद गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। कहा- आज जिस तरह कांग्रेस पार्टी के शांतिपूर्ण मार्च को रोका जा रहा है, यह तानाशाही पूरा देश देख रहा है। कांग्रेस मुख्यालय की घेराबंदी कर दी गई है, चारों तरफ पुलिस लगा दी गई है। नेता-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। मुझे भी ईडी ऑफिस जाते समय साथियों के साथ हिरासत में ले लिया है।

ईडी ने सोनिया गांधी को भी बुलाया

ईडी ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को 23 जून को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले 8 जून को पूछताछ के लिए समन किया था, लेकिन 1 जून को वे कोरोना पॉजटिव हो गई थीं। इसी वजह से वे पेश नहीं हो पाईं। वहीं, रविवार को कोरोना के चलते सोनिया की तबीयत बिगड़ गई। दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

केस में अब तक क्या-क्या हुआ

- 1 नवंबर 2012 को दिल्ली कोर्ट में सुब्रमण्यम स्वामी ने केस दर्ज कराया, जिसमें सोनिया-राहुल के अलावा मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडिस, सुमन दुबे और सैम पित्रोदा आरोपी बनाए गए। ये सभी कांग्रेस से जुड़े हैं।
- 26 जून 2014 को मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने सोनिया-राहुल समेत सभी आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया।
- 1 अगस्त 2014 के श्वष्ठ ने इस मामले में संज्ञान लिया और मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया।
- मई 2019 में इस केस से जुड़ी 64 करोड़ की संपत्ति को ईडी ने जब्त किया।
- 19 दिसंबर 2015 को इस केस में सोनिया, राहुल समेत सभी आरोपियों को दिल्ली पटियाला कोर्ट ने जमानत दे दी।
- 9 सितंबर 2018 को दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सोनिया और राहुल को करारा झटका दिया था। कोर्ट ने आयकर विभाग के नोटिस के खिलाफ याचिका खारिज कर दी थी।
- कांग्रेस ने इसे सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी, लेकिन 4 दिसंबर 2018 को कोर्ट ने कहा कि आयकर की जांच जारी रहेगी। हालांकि, अगली सुनवाई तक कोई आदेश पारित नहीं होगा।

जयपुर में सरेराह मारपीट कर युवक से लूट

दो बदमाशों ने लात-घूसों से जमकर पीटा, 20 हजार कैश और मोबाइल छीनकर भागे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में गुरुवार रात दो बदमाश मारपीट कर एक युवक से कैश-मोबाइल लूट ले गए। मालपुरा थाना पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी कराई, लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि लूट की वारदात रामको की ढाणी सांगानेर निवासी राजेन्द्र उर्फ गोलू (22) के साथ हुई। वह डिग्गी रोड पर स्थित जेके टायर कंपनी में काम करता है। रात करीब 8 बजे वह घर लौट रहा था। इसी दौरान मालपुरा में रविन्द्र स्कूल के पास गली में दौड़ते हुए आए दो लड़कों ने उसको पकड़ लिया। वह कुछ समझ पाता इससे पहले ही दोनों से उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। एक बदमाश ने गला पकड़ा तो दूसरे ने लात-घुसों से जमकर मारपीट की।

रोड पर गिरा कर दोनों बदमाशों ने उसकी जेब में रखे 20 हजार रुपए और मोबाइल निकाल लिया। कैश और मोबाइल छीनकर बदमाश भागे। शोर मचाकर पीछे भागा, लेकिन बदमाश तेजी से गलियों में भाग निकले। पीड़ित की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों के हुलिए की जानकारी लेकर नाकाबंदी कराई गई। बदमाशों के लात-घुसों से जमकर मारपीट करने से पीड़ित के शरीर पर जगह-जगह चोट आई है। घायल युवक का हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार करवाया गया। पुलिस वारदातस्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ लुटेरों की तलाश कर रही है।

3 साल के बेटे के सामने महिला से रेपः फेसबुक पर हुई थी दोस्ती, मिलने के लिए होटल में बुलाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर की जालूपुरा थाना पुलिस ने महिला से रेप के मामले में गुरुवार रात को आरोपी को गिरफ्तार किया है। तीन साल के बच्चे के सामने मां को दरिंदगी का शिकार बनाया था। पिछले एक महीने से वह अपने छिपने के ठिकाने बदल-बदल कर फरारी काट रहा था। दोनों की फेसबुक पर दोस्ती हुई थी।

दरअसल, 11 मई 2022 को अजमेर निवासी 28 साल की महिला ने जालूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह पति और 3 साल के बेटे के साथ बजाज नगर में रहती है। फेसबुक पर उसकी दोस्ती भादरा हनुमानगढ़ निवासी राकेश से हुई। जो ट्रांसपोर्ट कंपनी में जॉब करता है। बातचीत के दौरान एक-दूसरे के मोबाइल नंबर ले लिए। मोबाइल पर दोनों की बात होने लगी। आरोप है कि फरवरी 2021 में आरोपी राकेश कुमार ने उसको मिलने वनस्थली मार्ग स्थित एक होटल में बुलाया। तीन साल के बेटे को लेकर वह राकेश से मिलने पहुंची।

होटल के रूम में आरोपी ने उसको कोल्ड ड्रिंक ऑफर की। नशा मिला होने के कारण वह बेहोश हो गई। बेहोशी की हालत में आरोपी ने तीन साल के बेटे के सामने उसके साथ रेप किया। उसके अश्लील फोटो भी खींच लिए। अश्लील फोटो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। ब्लैकमेल कर बार-बार रेप करने लगा। आरोपी राकेश अब उसको दोस्तों से भी शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाने लगा। परेशान होकर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

दबिश देकर पकड़ा

एसएचओ अनिल कुमार जैमनी ने बताया कि महिला के केस दर्ज कराने का पता चलते ही आरोपी फरार हो गया था। करीब एक महीने से पुलिस टीमें उसके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही थी। गुरुवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि सिंधी कैम्प इलाके में रेप का आरोपी रवि कुमार आया हुआ है। सूचना पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी रवि उर्फ राकेश को पकड़ लिया। महिला से रेप के आरोप में रवि कुमार उर्फ राकेश कुमार (24) निवासी भादरा हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

डोटासरा बोले...RSS-BJP हैं कोबरा साँप

अब 'पीवणा साँप' का रूप लिया, जो सोते आदमी की सांस पीकर निकल जाते हैं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बोले-RSS और BJP कोबरा सांप हैं और अब उन्होंने पीवणा सांप का रूप ले लिया है । कोबरा सांप डसता है, तो आदमी बचता नहीं है । लेकिन पीवणा सांप वह होता है, जो चुपके से आता है और रात को साते हुए आदमी की सांस पीकर निकल जाता है। डोटासरा ने कहा आज कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को एक संकल्प लेना पड़ेगा कि जेल भरनी हैं। लाठियां खानी है तो लाठियां और डंडे खाने हैं। जब सत्ता में रहकर मलाई खा सकते हैं तो क्या अपने नेता राहुल गांधी के लिए जेल नहीं जा सकते। दिल्ली में ईडी ऑफिस में हुई पूछताछ के बाद जब राहुल गांधी को बाहर जाने दिया गया। तो कांग्रेस ने जयपुर में भी ईडी ऑफिस के बाहर धरना खत्म कर दिया। डोटासरा ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि राहुल गांधी को बाइज्जत छोड़ दिया गया है। जिसके बाद धरना खत्म होता है। अगर राहुल गांधी को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। तो दोबारा कांग्रेस पार्टी धरने प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि 1 घंटे के नोटिस पर धरना प्रदर्शन के लिए सभी को तैयार रहना है। डोटासरा ने कहा कांग्रेस पार्टी के धरने प्रदर्शन, आंदोलन और गिरफ्तारियों की यह ताकत है ईडी और केंद्र सरकार को झुकना पड़ा है। उन्होंने कहा सोनिया गांधी को भी ईडी की ओर से समन जारी है। अगर ईडीउनसे पूछताछ करना चाहती है तो अस्पताल में जाकर उनसे मिल ले। वह कुछ तो शर्म करे।

इससे पहले पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा दिल्ली में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। राहुल गांधी की गिरफ्तारी होती है तो सभी कांग्रेस कार्यकर्ता जेल चलेंगे। तब तक धरने पर ही बैठना है। अगर हमारे नेता को गिरफ्तार कर लिया तो मां कसम हम घर नहीं जाएंगे। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी को श्वष्ठ (एनफोर्समेंट डायरेक्ट्रेट) की ओर से समन भेजकर तलब किए जाने और आज राहुल की ईडी में पेशी के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने देशभर में विरोध प्रदर्शन किया। जयपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से लेकर अम्बेडकर सर्किल के पास ज्योति नगर में स्थित श्वष्ठ ऑफिस तक कांग्रेस पार्टी ने पैदल मार्च निकालकर धरना प्रदर्शन किया।

पहले लड़े थे गोरों से, अब लड़ेंगे चोरों सेः मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने धरने को संबोधित करते हुए कहा बीजेपी जब से सत्ता में आई है पूरे देश को बेचने का काम कर रही है। रेलवे, एयरपोर्ट, एलआईसी बेच दिए। बैंक , सड़क और कोयला बेचने का काम हो रहा है। पूरे देश में दंगे फैलाने की कोशिश हो रही है। कभी नबी के नाम पर गाली देते हैं। ताकी दंगे फैलें। यूपी में बुलडोजर के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं। इसलिए नारा देना होगा। पहले लड़े थे गोरों से अब लड़ेंगे चोरों से। ये अंग्रेजों के मुखबिर हैं। इनका आजादी पर कोई भरोसा नहीं है। 52 साल तक आरएसएस कार्यालय पर कभी तिरंगा झंडा नहीं फहराया। अब असली हिन्दू राष्ट्र बनाने की बात की जा रही है।

एक नज़र

ग्रीष्मकालीन बाल अभिरूचि शिविर में आत्मरक्षा के गुर सीख रहे है बच्चे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ''योग से स्वस्थ एवं दीर्घायु होने के साथ व्यक्तित्व का अद्भुत विकास होता हैं।'' यह बात योग शिक्षक जितेन्द्र शर्मा ने प्रेस क्लब में चल रहे अभिरूचि शिविर के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को बताई। शिविर में बड़े उत्साह के साथ वरिष्ठ पत्रकार, महिलाएं और बच्चे योग, ध्यान सीख रहे हैं।

क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने बताया कि शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को अपनी विधा में माहिर प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। जहां नृत्य गुरू पण्डित राजेन्द्र राव एवं राजेन्द्र जड़ेजा राजस्थानी लोकनृत्य, कथक एवं संगीत सिखा रहे है वहीं निर्भया स्क्वाड टीम की ओर से ममता एवं शीला महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखा रही हैं।

क्लब महासचिव रघुवीर जांगिड ने बताया कि वरिष्ठ रंगकर्मी अनिल मारवाड़ी और मनोज स्वामी बच्चों को अभिनय कला में पारंगत करने में बड़े मनोयोग से जुटे हुए हैं। मार्शल आर्ट के ट्रेनर आशीष गुप्ता बड़े जोश एवं ऊर्जा से बच्चों को मर्शल आर्ट का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

शिविर संयोजक अनिता शर्मा ने बताया कि इसके अलावा वरिष्ठ पेंटिंग शिक्षक श्रीमती कविता सिंह पेंटिंग, केलिग्राफी हेमा तोलानी, मेहन्दी डिजाइनर करूणा हरदासानी और घृति शर्मा क्राफ्ट बनाना बच्चों एवं महिलाओं को सिखा रही हैं, वहीं खुशी शर्मा एवं अंकित बच्चों को वेस्टर्न डांस में पारंगत कर रही हैं। आज शिविर के 13वें दिन प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति सदस्य राहुल भारद्वाज पुष्पेन्द्र सिंह राजावत, आयोजन समिति सदस्य हरिसिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार सुरेश शर्मा, दिनेश शर्मा, विमल सिंह तंवर, राजेन्द्र शर्मा, सहित पत्रकारगण एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

जयपुर के राजापार्क में कपड़ा दुकान में चोरी

पड़ोसी की छत से 3 मंजिला बिल्डिंग पर चढ़ा, कैश काउंटर तोड़कर ले गया रुपए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर के राजापार्क स्थित तीन मंजिला बिल्डिंग में कपड़ा दुकान में चोरी की वारदात हुई। छत के रास्ते रोशनदार और गेट तोड़कर चोर ने दुकान में एंटर हुआ। कैश काउंटर का लॉक तोड़कर 20 हजार चोरी कर ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में चोर की करतूत कैद मिली। आदर्श नगर थाना पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि वैशाली नगर निवासी अंकित कुमार सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजापार्क गली नंबर-1 में उसकी लेटस चेंज किड्स स्टूडियो के नाम से कपड़ों की दुकान है। 10 जून की रात को वह रोज की तरह दुकान क्लोज कर घर चला गया। देर रात चोरों ने दुकान को निशाना बनाया। पड़ोसी की छत से होते हुए तीन मंजिला बिल्डिंग पर चोर चढ़ा। छत पर बने बाथरूम का रोशनदार और गेट तोड़कर चोर ने बिल्डिंग में एंट्री की। ग्राउंड फ्लोर पर दुकान के कैश काउंटर पर आया। लोहे के सरिए से कैश काउंटर को तोड़ा गया। जिसमें रखे 19 हजार 700 रुपए निकालकर चोरी कर लिए गए।

CCTV फुटेज के कैद मिली करतूत: शॉप मालिक अंकित कुमार सोनी अगले दिन दुकान पर पहुंचा। दुकान के लॉक खोलकर अंदर एंट्री की। अंदर घुसते ही कैश काउंटर टूटा मिला। उसमें रखे रुपए गायब मिले। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला। फुटेज में रात करीब 2:15 बजे एक चोर छत के रास्ते बिल्डिंग में घुसते दिखाई दिया। करीब पौन घंटे दुकान में सर्च करने के बाद कैश काउंटर से रुपए चोरी कर ले गया। जिस रास्ते चोर आया था, उसी रास्ते चोरी कर फरार हो गया।

राज्यपाल मलिक बोले... सिर्फ कुछ लोग मालदार हो रहे: कहा... किसानों और सरकार में भयंकर लड़ाई होगी, मैं खुद मैदान में उतरूंगा

जयपुर। अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक ने अपनी ही पार्टी की केंद्र सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा, 'अगर समय रहते MSP पर कानून नहीं बनाया तो देश में किसानों और सरकार के बीच भयंकर लड़ाई होगी। मैं खुद अपना इस्तीफा जेब में लेकर घूमता हूं, किसानों के लिए 4 महीने बाद मैदान में उतर जाऊंगा।' वह रविवार को जयपुर में राष्ट्रीय जाट संसद में बोल रहे थे। मलिक ने अंबानी-अडानी पर भी पर निशाना साधा। बोले- अडानी ने किसानों की फसल सस्ते दाम पर खरीदने और महंगे दामों पर बेचने के लिए पानीपत में बड़ा गोदाम बनाया है। अडानी का ऐसा गोदाम उखाड़ फेंको। डरने की जरूरत नहीं है, मैं आपके साथ जेल चलूंगा। अडानी और अंबानी मालदार कैसे हो गए हैं, जब तक इन लोगों पर हमला नहीं होगा, तब तक ये लोग रुकेंगे नहीं।

हमें देश बिकने से रोकना होगा: राज्यपाल सतपाल मलिक ने कहा कि देश के एयरपोर्ट, रेलवे, शिपयार्ड सरकार के दोस्त अडानी को बेचे जा रहे हैं। हमें देश को बिकने से रोकना होगा। जब सब बर्बाद हो रहे हैं तो पीएम बताएं कि ये लोग कैसे मालदार हो रहे हैं।

आखिर माफी मांगनी पड़ी: राज्यपाल सतपाल मलिक ने कहा कि जब किसान आंदोलन में हमारे लोग सड़कों पर मरने लगे, तब मैं अपना इस्तीफा जेब में लेकर प्रधानमंत्रीजी से मिलने गया। मैंने उन्हें समझाया कि इन लोगों के साथ ज्यादती हो रही है। कुछ ले-देकर इन्हें हटा दीजिए। उन्होंने कहा- चले जाएंगे। मैंने उनसे कहा आप इन्हें जानते नहीं। यह तब जाएंगे जब आप चले जाएंगे। तब वह नहीं माने। बाद में उन्हें समझ में आया। तब उन्होंने माफी मांग कर कानून वापस लिए।

मेरे तो 4 महीने बचे : सतपाल मलिक ने कहा कि मेरे तो राज्यपाल के तौर पर 4 महीने बचे हैं। जेब में इस्तीफा लेकर घूमता हूं, मां के पेट से गवर्नर बन कर नहीं आया था। इसलिए मैंने सोच रखा है कि रिटायर होने के बाद किसानों के हक के लिए पूरी ताकत से जुट जाऊंगा। मेरा दो कमरे का घर ही मेरी ताकत है, इसलिए किसी से भी पंगा ले लेता हूं। सतपाल मलिक जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जाट पार्लियामेंट में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जाट समाज में बढ़ती दहेज प्रथा को खत्म करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह दहेज को छोड़ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े क्योंकि शिक्षा ही समाज और देश को आगे बढ़ा सकती है।

बीसलपुर लाइन की क्षमता 26 महीने में 60% ही बढ़ी...फरवरी तक 40% काम कैसे होगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पेयजल सप्लाई में सुधार और नए इलाके जोड़ने के लिए बीसलपुर प्रोजेक्ट की मुख्य पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने को रेनवाल में बनाए जा रहे आईपीसी प्रोजेक्ट का 26 माह में सिर्फ 60त्न काम ही हुआ है। अभी बकाया 40 फीसदी काम फरवरी तक पूरा करना होगा, जो कि असंभव है। काम की रफ्तार को देखते हुए यह काम शायद ही अगली गर्मियों तक पूरा हो।

इसका कारण...इंजीनियर कोरोना का बहाना कर तारीख बढ़ाते रहे ताकि कंपनी को पेनल्टी से बचाया जा सके। जलदाय विभाग ने मार्च 2020 में रेनवाल में इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन, सूरजपुरा में फिल्टर बनाने का काम जीसीकेसी प्रोजेक्ट्स एंड वर्कर्स प्रा. लि. और आईएचपी लि. (मुंबई) (ज्वॉइंट वेंचर) को 175 करोड़ में दे रखा है। कंपनी को अक्टूबर 2022 तक काम पूरा करना था।

इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन (आईपीएस) प्रोजेक्ट में यह काम: अब पाइपलाइन की क्षमता 5400 लाख लीटर से बढ़ाकर 7100 लाख लीटर की जा रही है। पाइपलाइन की क्षमता बढ़ाने के लिए रेनवाल में इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। रेनवाल में 600 लाख लीटर क्षमता का टैंक बनेगा। सूरजपुरा में फिल्टर प्लांट, पंप हाउस, स्काडा, इंटेक पर टैंक भी बनाया जा रहा है। पीएचईडी के एसई (प्रोजेक्ट) शुभ्रांशु दीक्षित का कहना है कि अक्टूबर 2022 तक काम होना था। ऐसे में फरवरी 2023 तक एक्सटेंशन दिया गया है। कोशिश है कि काम समय पर पूरा हो।

100 किमी से ज्यादा है बीसलपुर बांध से जयपुर की दूरी। सूरजपुरा व बालावाला के बीच कोई पंप हाउस नहीं होने से 2300 एमएम की पाइपलाइन 75त्न क्षमता पर ही थी। 5.26 लाख कनेक्शन में पेयजल सप्लाई सुधार और 3 लाख नए कनेक्शन देने के लिए सरकार ने दो साल पहले जलदाय विभाग को 288 करोड़ दिए थे। इसमें से 175 करोड़ तो सिविल कार्य पर ही खर्च हो जाएंगे शेष राशि बिजली सिस्टम पर खर्चा होगा।

यह होगा फायदा: बीसलपुर से 4840 लाख लीटर और ट्यूबवेल से 1900 लाख लीटर पानी मिल रहा है। इसके बावजूद टेल-एंड पर पानी नहीं मिल रहा। बीसलपुर प्रोजेक्ट द्वितीय फेज के बाद 1700 लाख लीटर पानी बढ़ जाएगा। इससे जगतपुरा, पृथ्वीराजनगर, हरमाड़ा में पानी सप्लाई बढ़ेगी।

जेडीए ने 4 बीघा सरकारी जमीन से हटाए ढाबे-रेस्टोरेंट

जयपुर-भीलवाड़ा रोड पर सायपुरा मोड़ पर अवैध कब्जा करके बना रखे थे रेस्टोरेंट-ढ़ाबे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर जेडीए की एनफोर्समेंट टीम ने आज जयपुर में बड़ी कार्रवाई की। जयपुर में भीलवाड़ा-जयपुर हाइवे पर सायपुरा मोड पर 4 बीघा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाए रेस्टोरेंट-ढ़ाबे को तोड़ा। वहीं, दूसरी तरफ डिग्गी रोड पर 6 बीघा एग्रीकल्चर जमीन पर जेडीए की बिना अनुमति के बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को बुल्डोजर से तुड़वाया।

जेडीए एनफोर्समेंट विंग के चीफ रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन 11 क्षेत्राधिकार जयपुर-भीलवाड़ा रोड पर सायपुरा मोड़ के पास जेडीए की 4 बीघा सरकारी जमीन पर कब्जा करके रेस्टोरेंट-ढाबा बना रखे थे। इसके अलावा सीमेंट फर्मे बनाने की टाल, पशु चारे की टाल, चद्दर-पट्टियों की टाल आदि बनाने का काम चल रहा था। इसे आज जेडीए की टीम ने धारा 72 का नोटिस जारी करने के बाद बुल्डोजर से तोड़ दिया। करीब एक घंटे चली इस कार्रवाई के बाद जमीन को खाली करवाकर वहां तारबंदी करवाई और जमीन का कब्जा लिया।

बिना जेडीए के अप्रूवल करवाए बसा रहे थे कॉलोनी

जोन 8 इलाके में डिग्गी रोड़ पर श्रीजी नगर के पास करीब 6 बीघा एग्रीकल्चर जमीन पर खातेदार ने जेडीए से बिना अनुमति लिए कॉलोनी बसाना शुरू कर दिया। इस दौरान यहां सड़क बिछाने के अलावा प्लॉट्स की बाउण्ड्रीवाल, रोडलाइट के खम्भे लगा दिए थे। इस कॉलोनी को बसाने से पहले खातेदार ने न तो जमीन का लैंड यूज कन्वर्जन करवाया और न ही जेडीए में कॉलोनी अप्रूवल के लिए नक्शा पेश किया। इस पर आज एनफोर्समेंट टीम ने बुल्डोजर से वहां बनी सभी सड़कों और बाउण्ड्रीवाल को तोड़ दिया।

सैनिकों से जुड़े राजस्व सहित अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता से हो निस्तारण: अध्यक्ष, राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति

जयपुर। राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष (राज्यमंत्री) कर्नल मानवेन्द्र सिंह ने अपने बाड़मेर प्रवास के दौरान सोमवार को कलेक्ट्रेट कांफ्रेन्स हॉल में बैठक लेकर सैनिक कल्याण संबंधी योजनाओं की विस्तार के साथ समीक्षा की। इस अवसर पर राज्य सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष कर्नल मानवेन्द्रसिंह ने कहा कि सैनिकों एवं पूर्व सैनिकों की विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जुड़े मुद्दों का गम्भीरता एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जावें। उन्होने अधिकारियों से कहा कि सैनिकों से संबंधित प्राप्त होने वाले आवेदनों पर तत्काल कार्यवाही कर प्राथमिकता से उनकी समस्याओं का निराकरण कर राहत पहुंचाई जाए।

इस दौरान उन्होने जिले के युद्ध शहीद सैनिकों के नाम पर राज्य सरकार के आदेशानुसार विद्यालय एवं गांव का नामकरण की प्रकिया ग्राम पंचायत स्तर से प्रस्तावित करवाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होने शहीद सैनिकों के घर तक सड़क मार्ग, पेयजल कनेक्शन सहित भूलभूत सुविधाओं संबंधी समस्या का यथोचित समाधान करने के निर्देश दिए। कर्नल मानवेन्द्रसिंह ने सेवारत एवं सेवानिवृत सैनिकों के विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यो का प्राथमिकता से निस्तारण कराने के निर्देश दिए ताकि सैनिकों को राहत मिल सकें। इस दौरान कर्नल सिंह ने विरांगनाओं एवं वृद्ध सैनिकों को पेंशन समेत अन्य बैंकिंग कार्यो की सुविधाएं मुहैया कराने के लिये उचित सर्वे कर गिराब में बैंक का एक्सटेन्शन काउण्टर खोले जाने हेतु प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होने सेवारत एवं पूर्व सैनिकों के लाइसेन्स रिन्युअल तथा ट्रान्सफर संबंधी मामलों को यथासंभव शीध्र निपटाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर लोक बंधु ने सैनिक कल्याण से जुड़े एजेण्डा बिन्दुओं की प्रगति से विस्तार के साथ जानकारी कराई। उन्होने कहा कि सैनिकों से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रकरणों पर प्राथमिकता से अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

रोडवेज सीएमडी को 'सर्वश्रेष्ठ पेपर' पुरस्कार

सार्वजनिक खरीद और आपूर्ति में बेहतर डाटा एनालिटिक्स के लिए दिया अवार्ड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान रोडवेज के सीएमडी संदीप वर्मा को 'सर्वश्रेष्ठ पेपर' अवार्ड के लिए चुना गया है। भारत सरकार के वित्त विभाग के सहयोग से अरुण जेटली नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फ़ाइनेंशियल मैनेजमेंट ने सार्वजनिक खरीद और आपूर्ति श्रंखला 2022 में डाटा एनालिटिक्स के लिए ये अवार्ड दिया है। इसकी घोषणा आज नई दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन में हुई। 1993 बैच के एक आईएएस अधिकारी संदीप वर्मा ने कहा कि उनका मुख्य उदेश्य सार्वजनिक खरीद नियमों का उपयोग करके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान, विकास, नवाचार को प्रोत्साहित करना है। वर्मा को भारत सरकार में रक्षा मंत्रालय में निदेशक के रूप में तीन साल से अधिक के कार्यकाल के दौरान रक्षा खरीद प्रक्रिया-2013 और डीपीपी-2016 में महत्वपूर्ण बदलावों का काम सौंपा था, जिसमें 2016 में रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए नए ब्लैकलिस्टिंग दिशा-निर्देश भी शामिल थे। असम सरकार को अपने असम सार्वजनिक खरीद नियमों का मसौदा तैयार करने और छत्तीसगढ़ सरकार को इसके ब्लैकलिस्टिंग दिशा-निर्देशों के लिए सहायता प्रदान की। उन्होंने 2021 में राजस्थान सरकार के लिए एक नई सार्वजनिक-निजी भागीदारी नीति का मसौदा तैयार किया है, साथ ही राजस्थान में गृह सचिव के रूप में काम करते हुए शस्त्र लाइसेंस देने पर निर्देशों का एक संग्रह भी तैयार किया है।

15 दिन बाद ग्रेटर नगर निगम अभियान 'निगम आपके द्वार' कार्यक्रम की सुध लेने निकले ग्रेटर कमीश्नर

मेयर सौम्या गुर्जर संग वार्ड नं. 150 का दौरा किया; 120 में से 52 सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर ही नहीं मिले

जयपुर। जयपुर नगर निगम ग्रेटर 'निगम आपके द्वार अभियान' के तहत आज मेयर सौम्या गुर्जर ने वार्ड नं. 150 का दौरा किया। पिछले 12 दिन से चल रहे इस अभियान की आज निगम कमीश्नर महेन्द्र सोनी ने भी सुध ली। सोनी भी मेयर संग वार्ड के दौरे पर निकले। यहां उन्होंने जब वार्ड में लगे सफाई कर्मचारियों की अटेंडेंस देखी तो दंग रह गए। 120 में से 52 कर्मचारी ड्यूटी पर ही नहीं मिले। उन्होंने जोन व वार्ड के अधिकारियों से जवाब मांगा तो कोई जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद आयुक्त ने ऑफिशियल छुट्?टी लेकर गए 30 कर्मचारियों को छोड़कर शेष 22 कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वहीं नालों की सफाई ठीक से नहीं होने की पार्षद की शिकायत के बाद मेयर ने एईएन पीएल गोस्वामी और जेईएन श्याम सुंदर जोशी को भी फटकार लगाई और काम ठीक से करवाने के निर्देश दिए। आपको बता दें कि महापौर ने 1 जून से निगम आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की थी। विद्याधर नगर जोन के वार्ड 24 से इस अभियान की शुरूआत की थी। इस अभियान का मुख्य उदेश्य जनता की समस्या को ऑन द स्पॉट सुनकर उस समस्या का मौके पर ही समाधान करवाना है।

पुरानी सीवर लाइनें बदलवाने की मांग: मेयर सौम्या गुर्जर संग वार्ड के पार्षद जितेन्द्र श्रीमाली भी साथ रहे। जेएलएन मार्ग के पीछे कानोता बाग कॉलोनी पहुंचे तो वहां लोगों ने सीवर लाइन जाम की समस्या बताई। उन्होंने कहा कि यहां जो सीवर लाइनें है वह 40 साल पुरानी है और कई जगह से खराब व डेमेज हो गई है। इन सीवर लाइनों को बदलने की मांग की, ताकि यहां आए दिन सीवर जाम की समस्या न हो। इस पर मेयर ने अधिकारियों को इस योजना का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए।

नियमन के लिए सरकार को लिखेंगे पत्र: वार्ड के दौरे के दौरान संग्राम कॉलोनी, गंगवाल पार्क कॉलोनी, कानोता बाग कॉलोनी, उनियारा बाग कॉलोनी, शिवाड़ एरिया के नियमन का मामला अटका पड़ा है। पार्षद जितेन्द्र श्रीमाली ने बताया कि इन कॉलोनियों के नियमन के लिए पिछले साल कैंप लगाकर आवेदन भी कर दिए, लेकिन तब से अब तक नियमन की फाइल जेडीए और नगर निगम के बीच घूम रही है। इस पर मेयर ने आयुक्त को निर्देश दिए कि वे इन कॉलोनी के नियमन का प्रस्ताव बनाकर सरकार को भिजवाए।

सीएम गहलोत की मंत्रिमंडल के सदस्यों को सलाह

राहुल गांधी के निर्देशों की पालना कर आम लोगों को जोड़ने की नीति अपनाएं

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंत्री परिषद के सदस्यों को स्पष्ट तौर पर कहा है कि वे राहुल गांधी द्वारा आम लोगों से संपर्क बढ़ाने के लिए अपनी नीतियों में परिवर्तन करने की सलाह दी है। उन्होंने मंत्रियों से स्पष्ट कहा है कि वे अपने दरवाजे आम लोगों के लिए खोलें और उनकी समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने को प्राथमिकता दें।

कांग्रेस के उदयपुर में संपन्न हुए नव संकल्प चिंतन शिविर में राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस के नेता आम लोगों से दूर हो गए हैं ऐसे में अब उनके नजदीक जाने की योजना बनानी पड़ेगी। सीएम गहलोत ने भी इसी बात का जिक्र किया और कहा कि मंत्रियों को आम लोगों से जुड़ाव रखने के

लिए उनके नजदीक जाना ही पड़ेगा इसके लिए उन्हें जनसुनवाई के कार्यक्रम को प्रभावी बनाए जाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री निवास पर शनिवार को आयोजित कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक में उन्होंने सभी को यही सलाह दी और कहा कि मंत्रीगण आपस में समन्वय बनाए रखें। जिस प्रकार का माहौल मुझे देखने को मिल रहा है उससे ऐसा लग कि मंत्रीगणों में संवाद की कमी है जिसे दूर किया जाना चाहिए।

सीएम गहलोत ने मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अधिक से अधिक अपने प्रभार वाले क्षेत्रों में जाए और आम लोगों से मिलकर उनके काम करें यदि कोई अधिकारी इसमें अड़ंगा लगा रहा है उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

कैबिनेट की बैठक में मंत्रियों के बीच फिर जमकर विवाद हुआ। इस बार विवाद का शिक्षा विभाग के कामकाज के तरीके पर रहा। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला पर साथी मंत्रियों ने ही सवाल उठा दिए। विवाद बढ़ता देख गहलोत ने दखल देकर मंत्रियों को शांत करवाया। मंत्रियों के बीच तकरार काफी देर तक चलती रही। यह पहला मौका नहीं है जब गहलोत कैबिनेट की बैठक में मंत्री आपस में भिड़े हों। इससे पहले भी मंत्री आपस में भिड़ चुके हैं। मंत्रियों के कामकाज के तरीके पर विधायक ही सवाल उठा रहे हैं, अब साथी मंत्री भी सवाल उठाने लगे हैं।

कैबिनेट की बैठक के बाद खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा किसीएम गहलोत ने कैबिनेट की बैठक में सब मंत्रियों की क्लास ली है। सख्त आदेश दिए हैं कि मंत्री दरवाजे खुले रखकर जनता की शिकायतें सुनें, जिलों के दौरे करें। जो अफसर लोगों के काम नहीं करते और अड़ंगा लगाते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करें।

केमिकल टैंकर 25 फीट तक घसीटता ले गया कारः जीजा-साले सहित चार की मौत

हिलव्यू समाचार

सुजानगढ़ (चूरू)। बेकाबू स्पीड से दौड़ रहे केमिकल टैंकर ने स्टेट हाईवे-20 पर कार को भीषण टक्कर मार दी। हादसे में 4 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। एक्सीडेंट इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा खत्म हो गया।

दरअसल रविवार सुबह करीब सात बजे चूरू के सुजानगढ़ में यह हादसा हुआ। इसमें जोधपुर के 4 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि टैंकर कार को करीब 25 फीट तक अपने साथ घसीटता ले गया। हादसे की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को राजकीय बगड़िया उप-जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने बताया कि प्रॉपर्टी व्यवसाय से जुड़े रविदास (37) पुत्र भंवरलाल वैष्णव, वासुदेव (25) पुत्र श्यामलाल वैष्णव, अमित (25) पुत्र ललित कुम्हार और संजय कुमार सालासर बालाजी के दर्शन कर जोधपुर लौट रहे थे। इस दौरान बोबासर पुलिया के पास लाडनूं की ओर से आ रहे केमिकल से भरे टैंकर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद टैंकर कार को करीब 25 फीट तक घसीटते हुए ले गया।

हादसे में चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंचे सदर थाने के सब इंस्पेक्टर नारायण राम ने शवों को अस्पताल भिजवाने के बाद क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को मौके से हटवाया और ट्रैफिक सुचारू करवाया। घटना की सूचना पर एसडीएम मूलचन्द लूणिया अस्पताल पहुंचे।

हादसे में मृतक वासुदेव पुत्र श्यामलाल वैष्णव और रविदास पुत्र भंवरलाल वैष्णव साला-जीजा है। वासुदेव की बहन डिंपल की शादी रविदास से हो रखी थी। दोनों के एक-एक बेटी है। वासुदेव के परिवार में अब मां, पत्नी और बेटी ही बचे हैं। वासुदेव पावटा सैटेलाइट अस्पताल में ठेका कर्मचारी था। वासुदेव की मां वहां पर स्थाई कर्मचारी है। पिता के निधन के बाद मां को नौकरी मिली थी। रविदास प्रॉपर्टी का काम करता था। दोनों के परिवार माता का थान क्षेत्र में रहते हैं।

एक्सीडेंट जोन बना बोबासर पुलिया

सुजानगढ़ से 6 किमी दूर बोबासर पुलिया तकनीकी खामी के चलते बड़ा एक्सीडेंट जोन बन गया है। यहां पिछले एक साल में 15 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर बीजेपी के मंडल अध्यक्ष पवन माहेश्वरी और विजय चौहान हॉस्पिटल पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम से बोबासर पुलिया के पास 200 मीटर डिवाइडर बनाने की मांग रखी।

राजस्थान में तेल की सबसे बड़ी चोरी!

650 फीट लंबी हाईटेक सुरंग खोदी, 2 साल में करोड़ों का ऑयल बेच डाला

हिलव्यू समाचार

दौसा। क्रूड ऑयल की पाइपलाइन से चोरी के मामले अक्सर सामने आते हैं। विशेषकर जयपुर और मथुरा के बीच में बीते कुछ साल में चोरी की ऐसी कई वारदात रिपोर्ट हुई हैं। इसमें चौंकाने वाली बात यह है सरकारी तेल कंपनियों को करोड़ों का चूना लगने के बाद भी ऐसे मामलों को रोकने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठाए गए हैं।

ऐसा ही नया केस अब दौसा जिले में आया है। यहां हाईटेक तरीके से आईओसी की पाइपलाइन से क्रूड ऑयल चोरी किया जा रहा था। मामला तब खुला जब चोरों की चूक से आग लग गई और दस घंटे तक भी उस पर काबू नहीं पाया जा सक। इसके बाद पुलिस ने जब जांच की तो सभी के होश उड़ गए।

पुलिस ने बताया कि जिले के महवा थाना क्षेत्र में थर्माकोल फैक्ट्री की आड़ में क्रूड ऑयल चोरी किया जा रहा था। यह काम पिछले करीब 2 साल से बेखौफ चल रहा था। गोदाम में आगजनी की घटना के बाद आईओसी की तरफ से महुवा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई है।

चौंकाने वाली बात ये है कि क्रूड चुराने के लिए खोदी गई सुरंग से महज 200 मीटर की दूरी पर ही महुआ थाना की बालाहेड़ी चौकी है, लेकिन किसी को इसकी भनक नहीं लगी। आईओसी की यह पाइपलाइन गुजरात से मथुरा जा रही है। वहां क्रूड ऑयल रिफाइन होता है जहां से टैंकरों के जरिए पेट्रोल पंपों तक पहुंचाया जाता है।

कैसे हुआ क्रूड चोरी का भंडाफोड़: यहां थर्माकोल फैक्ट्री व गोदाम की आड़ में तेल चोरी किया जा रहा था। टैंकर आते तो लगता था केमिकल लाया जा रहा है। शनिवार सुबह गोदाम में आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकलें बुलाई गईं। आग इतनी भीषण थी कि गोदाम की छत व दीवारें तक पिघल गई। इसके बाद एक फव्वारे पर भीषण आग लगी दिखाई दी। उसे बुझाने में कई दमकलों को जब 10 घंटे से ज्यादा का वक्त लगा तो शक हुआ। आग बुझने के बाद जांच की तो सुरंग सामने आ गई।

हाईटेक सुरंग बनाईः गोदाम के अंदर से करीब 15 फीट गहराई में सुरंग खोदते हुए पहले जालीनुमा फ्रेम लगाया। इसके नीचे से एक शख्स रेंगता हुआ अंदर जा सकता है। करीब 200 फीट लंबी इस सुरंग के भीतर सवा इंच लोहे का पाइप आईओसी की पाइपलाइन से जुड़ा मिला। इसके साथ ही 2 इंच का प्लास्टिक का पाइप भी सुरंग के अंदर डला हुआ था। आईओसी पाइपलाइन से कनेक्टिविटी डिस्टर्ब होने की स्थिति में सुरंग के अंदर काम करने वाले शख्स को घुटन महसूस नहीं हो इसके लिए ऐग्जास्ट फैन व उजाले के लिए एलईडी भी लगाई हुई थी।

बदबू से गहराया शक

महवा इलाके में स्थित गोदामनुमा बिल्डिंग में शनिवार अलसुबह लगी भीषण आग को वहां मौजूद सब लोग थर्माकोल में लगी आग मान रहे थे, लेकिन बिल्डिंग के अंदर से निकल रही धुएं की बदबू व तेलनुमा लिक्विड को देखकर सब लोग यही आशंका जता रहे थे कि आग थर्माकोल में नहीं बल्कि क्रूड आयल में लगी है। तड़के करीब 3 बजे उठने लगी आग की लपटें दोपहर 2 बजे तक भी काबू में नहीं आई तो पुलिस-प्रशासन को शक हुआ।

क्रेन बुलवाकर गोदामनुमा बिल्डिंग की दीवारें तुड़वाई गई तो एक कोने से आग लगातार लगी हुई थी, जबकि करीब 500 वर्ग गज एरिया में लगी आग पर काबू पा लिया गया था। ऐसे में पुलिस का शक भी यकीन में बदल गया कि पास से ही गुजर रही इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड की लाइन से क्रूड आयल चोरी किया जा रहा था।

भारत से पहली बार निर्यात होगा 192 मीट्रिक टन गाय का गोबर

15 जून को कुवैत भेजे जाएंगे कंटेनर, श्रीपिंजरापोल गोशाला, के सनराइज ऑर्गेनिक पार्क में पैकिंग शुरू

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पशु उत्पादों के निर्यात का भारतीय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण और सार्थक योगदान है। पशु उत्पादों के निर्यात में भैंस का मांस, भेड़/ बकरी का मांस, कुक्कुट उत्पाद, पशु खालें, दूध और दूध उत्पाद और शहद आदि शामिल हैं। वर्ष 2020-21 में भारत में पशु उत्पाद का निर्यात 27,155.56 करोड़ रुपए यानी 3,67024 मिलियन अमरीकी डॉलर था। मगर, आपको यह जानकार हैरानी होगी कि देशी गाय के गोमूत्र व गोबर से निर्मित उत्पाद भी अब निर्यात होने लगे हैं। विदेशों में जैविक खाद की मांग निरंतर बढ़ रही है, लेकिन अब कई देशों ने देशी गाय के गोबर पर रिसर्च में पाया कि इससे न केवल फसल के उत्पादन को बढाया जा सकता है बल्कि इससे उत्पादित उत्पादों का उपयोग करने से गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। यही कारण है कि कई देश जैविक खाद के साथ-साथ देशी गाय के गोबर का भी भारत से आयात करने लगे हैं। इसी के तहत जयपुर की कंपनी सनराइज एग्रीलैंड डवलपमेंट एंड रिसर्च प्रा.लि. को कुवैत की एक कंपनी से 192 मीट्रिक टन देशी गाय के गोबर का ऑर्डर मिला है। यह सब संभव हुआ है भारतीय जैविक किसान उत्पादक संघ के देश में चलाए जा रहे जैविक खेती मिशन की बदौलत। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अतुल गुप्ता के गौ संरक्षण अभियान का ही नतीजा है कि जयपुर से 192 मीट्रिक टन देशी गाय का गोबर कुवैत भेजा जाएगा। इसके लिए कस्टम विभाग की निगरानी में टोंक रोड स्थित श्रीपिंजरापोल गोशाला स्थित सनराइज ऑर्गेनिक पार्क में कटेनर में गोबर की पैकिंग का कार्य चल रहा है। इसकी पहली खेप के रूप में 15 जून को कनकपुरा रेलवे स्टेशन से कंटेनर रवाना होंगे।

इसलिए मिला गोबर निर्यात का ऑर्डरः डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि कुवैत के कृषि वैज्ञानिकों ने गहन रिचर्स के बाद पाया है कि फसलों के लिए गाय का गोबर बेहद उपयोगी है। गाय के गोबर के इस्तेमाल से न केवल फसल उत्पादन में बढोतरी हुई, बल्कि इन जैविक उत्पादों के उपयोग से स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर देखने को मिला है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि देशी गाय के गोबर का पाउडर के रूप में खजूर की फसल में इस्तेमाल करने से फल के आकार में वृद्धि के साथ-साथ उत्पादन में भी आशानुरूप बढ़ोतरी देखी गई है। यही, कारण है कुवैत की कंपनी ने जयपुर से 192 मीट्रिक टन देशी गाय के गोबर के आयात का ऑर्डर यहां की कंपनी सनराइज एग्रीलैंड डवलपमेंट एंड रिसर्च प्रा.लि. को दिया है।

भारत से जैविक खाद का निर्यातः श्रीपिंजरापोल गोशाला के महामंत्री शिवरतन चितलांगिया ने बताया कि भारत में मवेशियों की संख्या करीब तीस करोड़ है। इनसे रोज करीब 30 लाख टन गोबर मिलता है। इसमें से तीस फीसदी को उपला बनाकर जला दिया जाता है। जबकि ब्रिटेन में गोबर गैस से हर साल सोलह लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होता है, तो चीन में डेढ़ करोड़ परिवारों को घरेलू ऊर्जा के लिए गोबर गैस की आपूर्ति की जाती है। राष्ट्रीय कृषि आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि गोबर को चूल्हे में जलाया जाना एक अपराध है। इसके व्यावहारिक इस्तेमाल के तरीके गोबर गैस प्लांट की दुर्गति यथावत है। राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत निर्धारित लक्ष्य के 10 फीसदी प्लांट भी नहीं लगाए गए हैं। ऊर्जा विशेषज्ञ मानते हैं कि हमारे देश में गोबर के जरिये 2000 मेगावाट ऊर्जा पैदा की जा सकती है। मगर अफसोस की बात है कि विदेशों ने गाय के गोबर के महत्व को भलीभांति समझा है, जिसका परिणाम ये है कि कई देश गाय के गोबर से निर्मित जैविक खाद का बहुतायत में उपयोग करने लगे हैं। उनके पास पर्याप्त मात्रा में गाय का गोबर नहीं उपलब्ध होने के कारण वे भारत से गोबर से निर्मित जैविक खाद (वर्मी कम्पोस्ट) आयात करने लगे हैं।

मानव जीवन में अत्यंत उपयोगी

सनराइज एग्रीलैंड डवलपमेंट एंड रिसर्च प्रा.लि. के डायरेक्टर प्रशांत चतुर्वेदी ने बताया कि गाय का गोबर मानव जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। भारत के ग्रामीण आंचल में गाय के गोबर के बहुत से उपयोग किये जाते हैं। लोग महंगे उत्पाद न खरीदकर गाय के गोबर से काम चला लेते हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का संतुलन बनकर चलता रहता है। यदि यह जांचा परखा जाए तो उस सुचारू व्यवस्था के पीछे आपको गाय खड़ी मिलेगी। जो लोग गाय के गोबर को केवल मल ही मानते या समझते हैं वे भूल करते हैं। गाय का गोबर मल नहीं है यह मलशोधक है, दुर्गन्धनाशक है एवं उत्तम वृद्धिकारक तथा मृदा उर्वरता पोषक है। यह त्वचा रोग खाज, खुजली, श्वासरोग, शोधक, क्षारक, वीर्यवर्धक, पोषक, रसयुक्त, कान्तिप्रद और लेपन के लिए स्निग्ध तथा मल आदि को दूर करने वाला होता है। बावजूद इसके आज भले ही हमारे देश के लोगों ने गाय के गोबर के महत्व को उतना नहीं समझा है, लेकिन विदेशियों ने इसकी प्रमाणिकता सिद्ध कर दी है।

सांझरिया श्याम धाम मंदिर का भव्य भूमि पूजन

5 करोड़ की लागत से शीश के दानी के भव्य मंदिर का होगा निर्माण

जयपुर। श्री श्याम युवा संघ परिवार और श्रीराम गौशाला के तत्वावधान में श्री श्याम हरि गौ वात्सल्य धाम एवं श्याम मंदिर का भूमि पूजन श्री श्री 1008 आचार्य महामण्डलेश्वर बालमुकुन्दाचार्य हाथोज धाम के सानिध्य में स्वाति नक्षत्र के विल्क्षण योग एवं निर्जला एकादशी के पावन संयोग में सम्पन्न हुआ। श्री श्याम युवा संघ परिवार के अध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा ने बताया कि श्री श्याम हरि गौ वात्सल्य धाम को निर्माण प्रथम श्री श्याम कथा वाचक कुमार गिरिराज शरण की प्रेरणा से किया जा रहा है। जयपुर के अजमेर रोड स्थित ग्राम सांझरिया में पहली बार बाबा श्याम का भव्य मंदिर निर्माण गौ सेवार्थ किया जा रहा है, मंदिर निर्माण में संपूर्ण भारतवर्ष एवं जयपुर की श्याम सेवी संस्थाएं एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से इस भव्य मंदिर का निर्माण किया जायेगा जो देश में अनूठा होगा। कथा वाचक एवं मंदिर प्रेरणा स्त्रौत कुमार गिरिराज ने बताया कि निर्माणाधीन मंदिर के पूर्ण होने पर बाबा श्याम के चमत्कारिक शीश को विराजमान किया जायेगा। श्याम प्रभु का यह शीश सम्पूर्ण भारत वर्ष की यात्रा पूर्ण कर निजधाम खाटू श्याम पहुंचा। इस चमत्कारी शीश को पूर्ण विधिविधान से प्राण प्रतीष्ठा कर मंदिर में विराजित किया जायेगा। इस अवसर पर चंपालाल, पूर्व संसदीय सचिव कैलाश वर्मा, प्रताप सिंह खंगारोत, रामलाल मीणा, पार्षद गिर्राज शर्मा, राजकुमार चौधरी (आर्किटेक्ट मंदिर) सहित संत गण और श्याम संस्थाओं के पदाधिकारी एवं भारी संख्या में उत्साह से ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए

70 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए प्राप्तः मुख्य सचिव उषा शर्मा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं है ऐसे में इन्हें धरातल पर लाने के लिए उपयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाए तथा निवेश प्रस्तावों की लगातार मॉनीटरिंग की जाए।

शर्मा बुधवार को शासन सचिवालय में निवेश संवर्धन ब्यूरो की 37वीं स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य में 70 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। इसके माध्यम से राज्य में 9 हजार व्यक्तियों को प्रत्यक्ष तथा 10 हजार व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा।

बैठक में उद्योग विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती वीनू गुप्ता ने कहा कि निवेश संवर्धन ब्यूरो को कैमिकल, नव्यकरणीय ऊर्जा, टैक्सटाइल्स, एथेनॉल के क्षेत्र में राज्य में निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए है। उन्होंने बैठक में इन प्रस्तावों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में आए निवेशकों ने भी मुख्य सचिव के समक्ष निवेश प्रस्ताव की पूरी जानकारी तथा अपनी समस्याएं भी रखी जिस पर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इन समस्याओं का तुरन्त निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक में वित्त विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री अखिल अरोड़ा, निवेश संवर्धन ब्यूरो के आयुक्त श्री इन्द्रजीत सिंह भी उपस्थित थे। बैठक में वीडियो कांन्फ्रेंसिग के माध्यम से उद्योग, खनन तथा पैट्रोलियम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहें।

सही-गलत का आईना दिखाते हैं सीनियर्स

यह बात बिलकुल सत्य है कि बड़े-बुजुर्ग अनुभवों का खजाना होते हैं. ये जीवन के कठिन मोड़ पर मार्गदर्शक बनकर हमारा साथ देते हैं. परिवार के बुजुर्ग लोगों की श्रेणी में नाना-नानी, दादा-दादी, सास-ससुर आदि आते हैं. बुजुर्ग घर की शान होते हैं तथा उन्हें अपने आप ही मुखिया का दर्जा प्राप्त होता है, इसलिए ये छोटों द्वारा की जाने वाली गलतियों को नजरअंदाज न करते हुए उसमें हस्तक्षेप करते हैं और सही व गलत का आइना दिखाते हैं. बुजुर्गों का जीवन अनुभवों से भरा पड़ा है, उन्होंने अपने जीवन में कई धूप-छांव देखे हैं. जितना उनके अनुभवों का लाभ मिल सके, लेना चाहिए. गृह-कार्य संचालन में मितव्ययिता रखना, खान-पान संबंधित वस्तुओं का भंडारण, उन्हें अपव्यय से रोकना आदि के संबंध में उनके अनुभवों को जीवन में अपनाना चाहिए. ऐसा करने से वे खुश होते हैं और इसमें अपना सम्मान समझते हैं. बालगंगाधर तिलक ने भी एक बार कहा था, "तुम्हें कब क्या करना है, यह बताना बुद्धि का काम है, पर कैसे करना है, यह अनुभव ही बता सकता है."

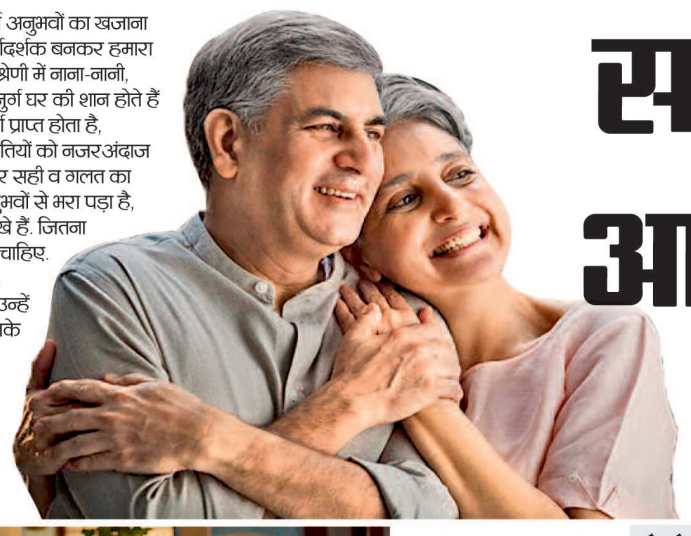

उपेक्षित न करें

गांव हो या शहर, वर्तमान समय में हर जगह बुजुर्गों की उपेक्षा हो रही है. ये हमें पाल-पोस कर बड़ा करते हैं और जब इनको हमारी जरूरत होती है, तो उनसे दो पल बात करने का भी हमारे पास समय नहीं होता. हम अपने काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हें भूल ही जाते हैं. हमें इनके अनुभवों से ज्ञान प्राप्त करने की आवश्यकता है, हमें इस विषय पर चिंतन-मनन करना चाहिए और उन्हें अधिक से अधिक समय देना चाहिए.

ऐसे करें देखभाल

बुजुर्गों के साथ अच्छा व्यवहार करें तथा उनके साथ समय बिताएं, जिससे वे स्वयं को अकेला न समझें. उनकी सेहत का खास ध्यान रखें क्योंकि बुढ़ापे में भूख लगनी कम हो जाती है, जिससे उन्हें अनेक बीमारियां घेर लेती हैं. बुजुर्गों को प्रतिदिन योग व व्यायाम करने के लिए प्रेरित करें, जिससे कि वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें. उन्हें स्वेच्छा से काम करने के लिए प्रेरित करें क्योंकि स्वेच्छा से कार्य करने वाले लोग सेहतमंद और खुश रहते हैं. कभी-कभी उनके साथ बैठकर खाना खाएं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें अपनेपन का एहसास होता है.

साथ न रहने से होने वाले नुकसान

- आज के महंगाई भरे दौर में माता-पिता दोनों का कामकाजी होना अनिवार्य-सा हो गया है. ऐसे में बड़े बुजुर्गों के साथ न होने से बच्चे गंभीर प्रकृति के हो जाते हैं या अनुशासनहीन हो जाते हैं, क्योंकि उनके साथ उनकी मन की बातें बांटने वाला कोई नहीं होता.
- एकल परिवार में माता-पिता बच्चों की छोटी-छोटी बीमारियों के लिए तुरंत डॉक्टर के पास भागते हैं. ऐसे में यदि बड़े बुजुर्ग साथ हों, तो वे छोटी-मोटी बीमारियों को घरेलू-नुस्खों से ही ठीक कर देते हैं.
- अगर माता-पिता दोनों वर्किंग हैं तो उन्हें बच्चों को कहां छोड़ें, जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसे में अगर बड़े-बुजुर्ग साथ में ही हों, तो ऐसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता.

सीनियर डिमांड 79 वर्षीय एक्ट्रेस ने उठाई मांग

बुजुर्ग कलाकारों के लिए बने आश्रम

बॉलीवुड फिल्म 'निशांत', 'नजराना', 'बेटा हो तो ऐसा' जैसी फिल्मों में अभिनय करने वाली एक्ट्रेस सविता बजाज ने मांग की है कि बेसहारा बुजुर्ग कलाकारों के लिए आश्रम बनना चाहिए. सविता ने बताया कि उनकी देखभाल करने के लिए कोई नहीं क्योंकि उनके परिवार वाले उनका साथ पहले ही छोड़ चुके हैं. वह कहती हैं कि सीनियर आर्टिस्ट के लिए कोई सुविधा नहीं है. जो लोग स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते काम नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें कोई सुविधा नहीं दी जा रही है. हालांकि मैं चाहती हूं कि बुजुर्ग कलाकारों के लिए एक आश्रम बने, जहां वे रह सकें. मैं मुंबई में मलाड़ में एक कमरे और किचन में रहती हूं. 7,000 उसका किराया देती हूं. मैं पैसे नहीं मांगना चाहती, लेकिन अब गुजारा करना बहुत मुश्किल हो रहा है.

आर्थिक तंगी

वह आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं. उनके पास अपनी बीमारी के इलाज के लिए पैसे तक नहीं हैं. उनकी सारी जमा पूंजी खत्म हो गई है. उम्र के साथ बढ़ती बीमारियों ने उनकी चिंता बढ़ा दी है. 79 वर्षीय सविता अब तक 50 से ज्यादा फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं. इसके अलावा वह 'नुक्कड़', 'मायका' और 'कवच' जैसे धारावाहिकों में भी काम कर चुकी हैं. वह नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की एल्यूमिनी रह चुकी हैं. 3 महीने पहले एक्ट्रेस कोविड-19 का शिकार हो गई थीं, जिसकी वजह से उन्हें 22 दिन अस्पताल में रहना पड़ा. हाल ही में इन्हें सांस लेने में समस्या हो रही थी, जिसके बाद वह दोबारा अस्पताल में भर्ती हुई थीं. सविता ने बताया, 'मैं इन दिनों आर्थिक तंगी से गुजर रही हूं. अब मेरे पास पैसा नहीं बचा है कि मैं अपना इलाज करा सकूं. मेरा सारा पैसा इलाज में पहले ही खर्च हो गया है. एक बीमारी से ठीक हुई तो अब सांस की बीमारी ने जकड़ लिया है. नहीं जानती कि आगे मैं कैसे पैसों का इंतजाम करूंगी और कैसे जी पाऊंगी.'

काम करने की है इच्छा

सविता कहती हैं, 'CINTAA और राइटर्स एसोसिएशन ने 2016 में मेरी एक लाख रुपये की मदद की थी. उस समय मैं एक्सीडेंट के चलते अस्पताल में भर्ती थी. सिनटा ने भी 50 हजार रुपये मुझे दिए थे. मैं इन पैसों को उन्हें वापस देना चाहती हूं लेकिन अपने स्वास्थ्य को देखते हुए काम नहीं कर सकती.'

बोधकथा

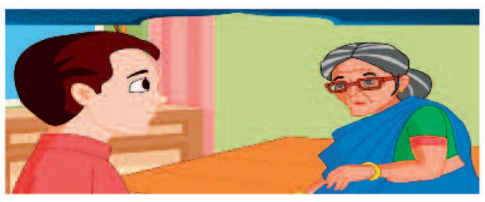

बूढ़ी मां

घनश्याम के परिवार में कुल 5 सदस्य हैं. घनश्याम, उसकी पत्नी, उसके 2 बच्चे और एक बूढ़ी मां. एक दिन घनश्याम की बेटी एक आलेख पढ़ रही थी, जिसमें मेथी से मिलने वाले फायदों के बारे में बताया गया था. बूढ़ी मां बरामदे में चुपचाप बैठी थी. आलेख सुनकर बूढ़ी मां के अतिरिक्त अन्य सभी लोगों ने अपने विचार रखे कि हम सप्ताह में मेथी का प्रयोग अधिक से अधिक करेंगे. बेटे ने मेथी के पराठे खाने की फरमाइश रख दी, घनश्याम ने मेथी का रायता और उसकी बेटी ने मेथी की सब्जी. परंतु बरामदे में बैठी बूढ़ी मां का किसी को ख्याल न आया. न उनका, न खाने में उनकी पसंद-नापसंद का. लेकिन जब बाजार से मेथी आ गई तो बारी आई उसे काटने-छांटने की, तो मेथी की पैरवी करने वाले बहाना बनाने लगे. नौकरीपेशा पत्नी का सिरदर्द होने लगा और बच्चों को अपना कोर्स खत्म करने की बात याद आ गई. हार कर घनश्याम ने बड़ी आशा से बरामदे में बैठी बूढ़ी मां की ओर देखा. कम सुनने लेकिन सब कुछ समझने की आदी, बुजुर्ग मां चुपचाप उठी और टोकरी में मेथी रखकर उसके पत्ते तोड़ने लगी. उनकी नजर बार-बार मेथी के उन डंटलों पर जाकर टिक रही थी, जिन्होंने अपने ऊपर पत्तों को सींचकर बड़ा किया था. इस बूढ़ी मां की खामोशी बहुत कुछ कह गई, जिस मां ने अपनी परिवार रूपी बगिया के पौधों को अपने खून-पसीने से सींचकर पल्लवित किया है, उस परिवार के लोगों के इस व्यवहार से उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंची थी. अतः हमें बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए और उनकी हर जरूरत का भी ध्यान रखना चाहिए.

सीख - किसी ने सच ही कहा है कि जिसके कंधे पर या सिर पर बुजुर्गों का हाथ होता है, वो दुनिया का सबसे शक्तिशाली इंसान होता है. इसलिए सदैव बुजुर्गों का सम्मान करें और उनकी हर जरूरत का ध्यान रखें क्योंकि हमारी सफलता के पीछे इनका ही हाथ है.

सीनियर्स के प्रति रिस्पेक्टफुल हैं सलमान

सीनियर STAR

55 साल के बॉलीवुड एक्टर सलमान खान ने कहा कि मेरे माता-पिता मुझे देखते हैं, सीनियर्स मुझे देखते हैं, जूनियर्स मुझे देखते हैं, और बच्चे मुझे देखते हैं. इसलिए मैं भाषा और सीनियर्स के प्रति रिस्पेक्टफुल हूं. यह एक जिम्मेदारी है और मैं इसके लिए बहुत जागरूक हूं. शुरुआत में, इसमें समय लगता है लेकिन शुक्र है कि मैं काम कर रहा हूं, इसलिए मुझे गलत होने का समय ही नहीं मिला.

काम को लेकर सजग

सलमान ने कहा कि 55 साल की उम्र में मैं वो काम कर रहा हूं जो मैं 14 साल में किया करता था. उन्होंने कहा कि मेरी यंग जनरेशन में टाइगर श्रॉफ, वरुण धवन, रणवीर सिंह और आयुष शर्मा जैसे एक्टर्स हैं. इनसे मैच करने के लिए मुझे मेहनत करनी ही पड़ेगी. सलमान मानते हैं कि उनके कंधों पर जिम्मेदारी है. यूथ जो उन्हें फॉलो करता है, पर्दे पर देखता है, तो अपने काम को लेकर वो ज्यादा सजग हैं. उन्होंने कहा कि अगर कोई फिल्म फ्लॉप भी हो जाती है, तो मैं और मेहनत करता हूं. मैंने यह महसूस किया कि जब आप अपना खून-पसीना किसी चीज में मिलाते हैं और अपना बेस्ट देते हैं, तब ऑडियंस आपकी कड़ी मेहनत को समझती है और उसकी सराहना भी करती है.

संविधान में वृद्धजनों के अधिकार

हमारे संविधान में वृद्धजनों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की गई है. वृद्धजनों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की व्याख्या निम्नानुसार है-

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 की सूची 3 एवं धारा 6 में वृद्ध लोगों के अधिकारों की चर्चा की गई है. इसमें कार्य की दशाओं, भविष्यनिधि, अशक्तता तथा वृद्धावस्था पेंशन की चर्चा की गई है. इसके अतिरिक्त राजसूची के मद संख्या 9 एवं समवर्ती सूची की मद संख्या 20, 23 एवं 24 में पेंशन, सामाजिक सुरक्षा तथा सामाजिक बीमा के अधिकार दिए गए हैं.
- राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत के अनुच्छेद 41 के अनुसार राज्य अपनी आर्थिक क्षमता एवं विकास की सीमाओं के भीतर वृद्धजनों के रोजगार, शिक्षा, बीमारी एवं विकलांगता की स्थिति में सार्वजनिक सहायता के अधिकार को सुरक्षित करेगा एवं इसके लिए कारगर प्रावधान बनाएगा.
- माता-पिता की देखभाल करना हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी है किंतु विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं में इसके लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां कानून ने निर्धारित की हैं.
- आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 एक धर्मनिरपेक्ष कानून है तथा ये सभी धर्मों एवं समुदायों पर लागू होता है. इस संहिता के तहत धारा 125 (1) में प्रावधान है कि जो माता-पिता अपने भरण-पोषण में असमर्थ हैं, यदि उनके पुत्र या पुत्रियां उनके भरण-पोषण से इंकार करते हैं तो प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट उस व्यक्ति को अपने माता-पिता के भरण-पोषण के इंकार के प्रमाण के आधार पर मासिक भत्ता देने के आदेश दे सकता है.

फोरम पर अभिव्यक्ति की जरूरत

वृद्धों की समस्याओं को लेकर हर फोरम पर अभिव्यक्ति की जरूरत है. सामाजिक, राजनीतिक एवं भूमंडलीय स्तर पर गंभीरता से इन्हें सुलझाने का प्रयास किया जाना चाहिए. हमें वृद्धों के प्रति सही दृष्टिकोण, उनकी जरूरतों एवं उनके जीवन को ध्यान में रखकर सही निर्णय लेने की आवश्यकता है. ऐसे सामाजिक तंत्र को विकसित करना होगा, जो वृद्धों की देखभाल बिना एक-दूसरे पर आक्षेप लगाकर कर सके.

सीनियर उद्यमी

79 वर्षीय महिला की फैक्ट्री का टर्नओवर 2 करोड़

जैम बनाया, पैसा कमाया

हिमाचल प्रदेश के भौरा गांव में 79 वर्षीय ब्रिटिश इंडियन वुमन लिनेट अलफ्रे प्रिजर्वेटिव-फ्री जैम बनाने की फैक्ट्री चलाती हैं. लिनेट की इस फैक्ट्री में सैकड़ों महिलाएं काम करती हैं. इस फैक्ट्री का सालाना टर्नओवर 2 करोड़ है. लिनेट की शादी एक कश्मीरी युवक से हुई. वह अपने पति के साथ सबसे पहले बिहार और फिर दिल्ली व मुंबई में रहीं. 1992 में वह हिमाचल प्रदेश में अपने एक रिश्तेदार के घर गईं. लिनेट को यह जगह इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने यहीं रहने का फैसला कर लिया. लिनेट हिमाचल प्रदेश में जिस जगह रहती थीं, वहां एप्रिकॉट, पीच, सेब और किवी की पैदावार खूब होती है. कई बार तेज हवा चलने या बंदरों के आधे फल खा जाने की वजह से ये फल वेस्ट होते हैं. इन्हें वेस्ट होने से बचाने के लिए लिनेट ने अपनी मां की बताई रेसिपी से जैम बनाने की शुरुआत की. जल्दी ही उनके बनाए गए जैम खूब पसंद किए जाने लगे और 1999 में लिनेट ने अपनी पहली जैम फैक्ट्री की शुरुआत की.

48 वैरायटी, हर दिन 850 बॉटल तैयार

लिनेट के सामने सबसे बड़ा चैलेंज था इन जैम की शेल्फ लाइफ बढ़ाने का, क्योंकि इस छोटे से गांव में बिजली की कटौती खूब होती है. लिनेट ने हर चुनौती का सामना किया. आज उनकी जैम फेक्ट्री में जैम की 48 वैरायटी हैं जिन्हें 75 टन फलों से बनाया जाता है. यहां हर दिन लगभग 850 बॉटल जैम तैयार होता है, जिसका सालाना टर्नओवर 2 करोड़ है. इसकी खासियत यह है कि इसे बिना किसी प्रिजर्वेटिव का इस्तेमाल किए तैयार किया जाता है. प्रिजर्वेटिव के तौर पर लिनेट सिर्फ नींबू का रस, सेब का रस और शक्कर का उपयोग करती हैं. लिनेट द्वारा बनाए गए उत्पादों में ब्लैकबेरी जैम, टमाटर की चटनी, स्ट्रॉबेरी प्रिजर्व, कश्मीरी बिछुआ और ब्लैकबेरी प्रिजर्व शामिल हैं. इन प्रोडक्ट्स की शुगर फ्री रेंज भी उपलब्ध है जिसमें स्ट्रॉबेरी जैम और मार्मलेड आदि हैं.

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते है ऐसे फूड

ऐसे कई फूड हैं जिन्हें एक पूरी रात भिगोकर रखने के बाद, अगले दिन खाना अपेक्षाकृत अधिक फायदेमंद होता है. क्योंकि अंकुरित होने के बाद उनकी नुट्रिशन वैल्यू बढ़ जाती है, साथ ही ये आसानी से पच जाते हैं जो सेहत के लिए अच्छा है. कुछ ऐसी ही चीजें हैं जिन्हें रातभर भिगोकर खाना आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करने में सहायक होगा -

मेथीदाना

इनमें फाइबर्स भरपूर मात्रा में होते हैं जो कब्ज को दूर कर आंतों को साफ रखने में मदद करते हैं. डायबिटीज के रोगियों के लिए भी मेथीदाना फायदेमंद है. साथ ही इनका सेवन महिलाओं में पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द को भी कम करता है.

खसखस

ये फोलेट, थियामिन और पैंटोथेनिक एसिड का अच्छा सोर्स होता है. इसमें मौजूद विटामिन बी मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है जिससे वजन को नियंत्रित करने में मदद मिलती है.

अलसी

अलसी या फ्लैक्स सीड्स ओमेगा-3 फैटी एसिड का एकमात्र शाकाहारी सोर्स माना जाता है. अलसी का सेवन बैड कोलेस्ट्रॉल को घटाकर हमारे दिल को भी हेल्दी रखता है.

मुनक्का

इसमें मैग्नीशियम, पोटेशियम और आयरन काफी मात्रा में होते हैं. मुनक्के का नियमित सेवन कैंसर कोशिकाओं में बढ़ोतरी को रोकता है. इससे हमारी स्किन भी हेल्दी और चमकदार रहती है. एनीमिया और किडनी स्टोन के मरीजों के लिए भी मुनक्का फायदेमंद है.

साबुत मूंग

इनमें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन बी भरपूर मात्रा में होता है. इनका नियमित सेवन कब्ज दूर करने में बहुत फायदेमंद होता है. इसमें पोटेशियम और मैग्नेशियम भी भरपूर मात्रा में होने की वजह से डॉक्टर्स हाई बीपी के मरीजों को इसे रेगुलर खाने की सलाह देते हैं.

काले चने

इनमें फाइबर्स और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा होती है जो कब्ज दूर करने में सहायक होते हैं.

किशमिश

किशमिश में आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं. भीगी हुई किशमिश को नियमित रूप से खाने से स्किन हेल्दी और चमकदार बनती है. साथ ही शरीर में आयरन की कमी भी दूर होती है.

ज्ञानकथा

जीवन जीना पुण्य का काम

महर्षि रमण अपने आश्रम में अधिकतर काम खुद ही करते थे. वे काम करते-करते शिष्यों को गहरे संदेश भी दे देते थे. उनके आश्रम के पास ही एक अध्यापक रहता था. पढ़ने-पढ़ाने वाले अध्यापक के घर में हमेशा कलह होता था. पति-पत्नी के झगड़े इतने बढ़ गए कि उस शिक्षक ने आत्महत्या करने का विचार किया और घर से निकल पड़ा. उसके मन में कई विचार चल रहे थे, उनमें से एक विचार ये था कि क्यों न मरने से पहले एक बार महर्षि रमण से मिल लिया जाए, इसके बाद तो मरना ही है!

शिक्षक, महर्षि रमण के पास पहुंच गया. महर्षि उस समय दोने-पत्तल बना रहे थे. आश्रम में भोजन के लिए दोने-पत्तल का ही उपयोग किया जाता था. चूंकि वह व्यक्ति शिक्षक था तो उसे जिज्ञासा हुई और उसने महर्षि जी से प्रश्न पूछा, 'आप ये दोने-पत्तल इतनी मेहनत और एकाग्रता के साथ बना रहे हैं और लोग इसमें भोजन करेंगे, फिर इन्हें फेंक देंगे. क्या फायदा ऐसी मेहनत से?' महर्षि बोले, 'ये बिल्कुल सही है कि हम इन्हें मेहनत से बना रहे हैं, ये भी सही है कि इनका उपयोग करने के बाद लोग इसे फेंक देंगे, लेकिन कम से कम इनका उपयोग करने के बाद फेंकेंगे. कुछ लोग तो बिना उपयोग किए या चीजों का दुरुपयोग करके वस्तु फेंक देते हैं. वो तो और गलत है.' रमण जानते थे कि यह व्यक्ति तनाव में है. दुखी शिक्षक ने रमण के उत्तर से तुरंत संदेश समझ लिया कि आत्महत्या करना जीवन का दुरुपयोग करने जैसा है. सीख - हमें मनुष्य का जीवन मिला है तो इसका सही उपयोग करें. इसे ऐसे ही मृत्यु में नहीं फेंकना चाहिए. आत्महत्या करना पाप है और जीवन जीना पुण्य का काम है.

बढ़ती उम्र में कीजिए योग

कुछ ऐसे योगासन बता रहे हैं जिन्हें बुजुर्ग या कोई भी व्यक्ति बढ़ती उम्र के साथ कर सकता है, जो कि उनके लिए जरूरी और सुरक्षित है.

योगा जोन

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन काफी प्रभावशाली आसन है. इस आसन को बुजुर्ग बहुत ही आसानी से कर सकते हैं और उनके लिए यह आसन करना बहुत ही फायदेमंद साबित होगा. सोचने की बात यह है कि त्रिकोणासन ही बुजुर्गों के लिए फायदेमंद क्यों बताया गया है? दरअसल इस आसन को बुजुर्गों के लिए इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि यह उनके आमतौर पर होने वाली परेशानियों को दूर कर सकता है जैसे कि कूल्हों की दिक्कत, साथ ही यह आसन कूल्हों के दर्द को दूर करने में भी मदद करेगा. कूल्हों के दर्द के अलावा इस आसन को करने से ब्लड प्रेशर भी सामान्य स्तर पर रहेगा. इस आसन को करने के लिए अपने पैरों को कंधों के जितना खोलकर आराम से आप खड़े हो जाएं. पैर खोल कर खड़े होने के बाद दाएं पंजे को थोड़ा बाहर की तरफ ले जाएं और बाएं पंजे को अंदर की तरफ करें. अब दोनों हाथों को दोनों तरफ कंधे की सीध में अच्छी तरह से फैला लें. इतना करने के बाद एक लंबी गहरी सांस लें और उसके बाद सांस को बाहर की तरफ छोड़ते हुए सिर और कमर को सामान्य रखते हुए कूल्हों की तरफ से दाईं तरफ झुकें और दाएं हाथ की उंगली को तलवे के पास लगाने की कोशिश करें. ऐसा करने के बाद सांस लेते हुए दोबारा से अपनी उसी अवस्था में लौट आए. इसके बाद दूसरी तरफ से भी यही प्रक्रिया दोहराएं.

कटिचक्रासन

बढ़ती उम्र में या बुजुर्ग अवस्था में यह कटिचक्रासन आसन जरूर करना चाहिए क्योंकि यह शरीर को सीधा रखने में बहुत ज्यादा मदद करता है. इस आसन को करने से हमारे शरीर की स्पाइन बिल्कुल सीधी रहती है. इसके अलावा यह आसन हाथों और पैरों की मसल्स को मजबूत बनाता है. बुजुर्गों के लिए योगासन में यह आसन काफी सरल है, साथ ही फायदेमंद भी है. इस आसन को करने के लिए सबसे पहले अपने पैरों को थोड़ा सा खोलकर आराम से खड़े हो जाएं. इसके बाद अपने हाथों को कंधे की सीध में रखते हुए सामने की तरफ फैला लें. ऐसा करने के बाद लंबी और गहरी सांस लें और सांस छोड़ते हुए जितना हो सके, अपनी कमर को दायीं तरफ ले जाएं और सिर को दाएं कंधे की तरफ झुकाएं. इसके बाद सांस लेते हुए पिछली वाली अवस्था में आ जाएं और फिर इस प्रक्रिया को दूसरी तरफ इसी तरह से दोहराएं.

बद्धकोणासन

यह आसन बुजुर्गों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. यह उनकी शरीर के बॉडी मूवमेंट को बहुत ही अच्छी तरह से सुधारता है, साथ ही बड़े बुजुर्गों की पाचन क्रिया को भी काफी मजबूत करता है. इस आसन को करने से वह अलग-अलग बीमारी से छुटकारा पा सकते हैं जैसे कि सर में दर्द, पाचन क्रिया और शरीर में दर्द. इन सभी बीमारियों से इस आसन के द्वारा उन्हें निजात मिल सकती है. इसके अलावा इस आसन से जांघ, घुटने की मसल्स स्ट्रेच होती हैं और जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है. इसे करने के लिए सबसे पहले कमर को सीधा रखते हुए जमीन पर आराम से बैठ जाएं और उसके बाद पैरों को सामने की ओर फैला लें. इसके बाद दोनों घुटनों को मोड़ते हुए उनके तलवे अपने जननांग की तरफ लाएं. अब दोनों पैर के तलवों को एक साथ मिला लें और जितना हो सके, जननांगों के पास ले जाएं. इसके बाद अपने घुटनों और जांघों को जमीन पर अच्छी तरह से टिका लें, घुटनों और जांघों को जमीन पर टिकाने के बाद अपने हाथों के तलवों से उन्हें अच्छी तरह से पकड़ लें. उसके बाद लंबी गहरी सांस लें और अपनी जांघों को तितली के पंखों की तरह तेज-तेज ऊपर-नीचे करें. यदि आप थक जाएं तो सांस छोड़ते हुए पैरों को फैला लें और थोड़ी देर आराम करें.

मधुर संबंध बनाने का समय

कुछ उनकी सुनें, कुछ अपनी सुनाएं

अपने घर के बुजुर्गों और घर के बड़े सदस्यों के साथ मधुर संबंध बनाने चाहिए. कुछ उनकी सुनें, कुछ अपनी सुनाएं और हंसी-खुशी के पल बिताएं. अपने घर के बड़ों और बुजुर्गों से संबंधों को सुधारने प्रयास करना चाहिए. आप थोड़ा सा वक्त अपने घर के बुजुर्गों के लिए निकाल सकते हैं. उन बातों का ध्यान रखें जो हमें अपने परिवार के साथ रिश्ते बेहतर तरीके से निभाने में मदद कर सकें. इसलिए मजबूत रिश्ते बनाए रखने के लिए निराशाओं से बचने की कोशिश करें. आप घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ बेहतर वक्त व्यतीत कर एक यादगार समय बिता सकते हैं.

अनुभव की खदान : घर के बड़े-बुजुर्ग यानी अनुभव की खदान, यह बात सौ फीसदी सच है. जीवन में आने वाले चैलेंज हों या कोई भी अन्य समस्या, हमारे बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभव से जो रास्ता बताते हैं, वह बड़े काम आता है. इसलिए अपने बड़े-बुजुर्गों के साथ बात करें, कुछ उनकी सुनें और कुछ अपनी कहें. यकीन मानिए, ऐसा करने से आपके संबंध बेहद मजबूत बनेंगे.

हंसी-खुशी का माहौल : आजकल अधिकांश लोग डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं. ऐसे में घर में यदि बड़े-बुजुर्ग हैं तो उन्हें हाइपर टेंशन या डिप्रेशन ना हो, इसके लिए जरूरी है कि घर में लाइट मोमेंट्स या कह लें कि हंसी-खुशी का माहौल बनाए रखें. आप चाहें तो घर के सदस्यों से जुड़े पुराने मजेदार किस्से भी बड़े-बुजुर्गों से सुन सकते हैं. इससे ना सिर्फ पुराने यादगार पलों की यादें ताजा होंगी, बल्कि एक-दूसरे से निकटता भी बढ़ेगी.

उनकी पसंद का खाना बनाएं : घर में बड़े बुजुर्ग हैं तो ऐसे में विशेषकर महिलाओं को उनके खाने-पीने का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है. आप घर के बड़े-बुजुर्गों को उनकी पसंद का खाना बनाकर खिलाइए. ऐसा करने से ना सिर्फ आपके संबंध उनके साथ बेहतर होंगे, बल्कि महामारी का यह समय भी बहुत अच्छे से कट जाएगा.

सेवा करें : सेवा सबसे जरूरी काम है जो आपको अपने बड़े-बुजुर्गों के लिए करना है. आपको जब भी समय मिले, घर के बड़ों की सेवा जरूर करें. उनके पैर दबाएं, सिर की मालिश कर दें. इससे ना सिर्फ उनका आशीर्वाद मिलेगा, बल्कि संबंध भी मजबूत बनेंगे. यही नहीं, घर के बच्चों के लिए भी यह परंपरा बतौर सीख या कहें संस्कार के रूप में काम आएगी.

तकनीक से करवाएं दोस्ती : बड़े-बुजुर्गों की दोस्ती तकनीक से करवाएं. उन्हें यूट्यूब पर भजन सुनवा सकते हैं या उनकी पसंद की पुरानी फिल्में स्मार्टफोन पर कैसे देखना है, यह आप उन्हें बता सकते हैं. ऐसा करने से ना सिर्फ वह अपना मनोरंजन अच्छे से कर पाएंगे, बल्कि उन्हें भी कुछ नया सीखकर बेहतर और मोटिवेटेड फील होगा.

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

07

जयपुर » मंगलवार, 14 जून, 2022

एक नजर

डॉ. राहुल सिंघल को मिला बेस्ट कार्डियोलॉजिस्ट इन राजस्थान का सम्मान

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने किया सम्मानित

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल सिंघल को मुंबई में आयोजित हेल्थकेयर एक्सीलेंस अवार्ड्स में बेस्ट कार्डियोलॉजिस्ट इन राजस्थान सम्मान से नवाजा गया है। दिग्गज पूर्व क्रिकेटर व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में देशभर से नामी डॉक्टर्स को अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया जिसमें राजस्थान में कार्डियोलॉजी क्षेत्र में बेहतरीन कार्यों के लिए डॉ. राहुल सिंघल को सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि डॉ. राहुल पिछले 15 वर्षों से हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस समय वे जयपुर के फोर्टिस हॉस्पिटल में एडिशनल डायरेक्टर कार्डियोलॉजिस्ट एंड कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। डॉ. राहुल सिंघल को हृदय की धड़कन से जुड़ी बीमारियों का इलाज करने में विशेषज्ञता हासिल है और वे 3डी मैपिंग जैसी नवीनतम तकनीकों के इस्तेमाल से एट्रियल फिब्रिलेशन, वीटी जैसी धड़कन की गंभीर बीमारियों का इलाज करते हैं।

मंत्री हेमाराम चौधरी के भाई का निधनः राज्यसभा चुनाव में वोटिंग कर विशेष हेलीकॉप्टर से पहुंचे जसोल

हिलव्यू समाचार

बाड़मेर। राजस्थान में 4 राज्यसभा सीटों के लिए मतदान चल रहा था। इस दौरान कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी मतदान देने के लिए लाइन में लगे हुए थे। तभी भाई के निधन का समाचार मिला और वोट देकर विशेष हेलीकॉप्टर से जयपुर से बाड़मेर जसोल हेलिपेड पहुंचे। वहां से अपने पैतृक गांव जानियाना रोड से गए। हेलिपेड पर एएसपी, एसडीएम सहित अधिकारियों ने अगुवाई की। वहीं, सीएम ने ट्वीट करके गहरी संवेदना प्रकट की।

दरअसल, शुक्रवार को जयपुर में राज्यसभा की 4 सीटों पर मतदान चल रहा था। पहला वोट सीएम अशोक गहलोत ने डाला। सभी विधायक, मंत्री वोट देने के लिए लाइन में खड़े होकर वोटिंग कर रहे थे। इस दौरान मंत्री हेमाराम चौधरी भी वोट देने के लिए आए। तभी भाई लिखमाराम चौधरी के निधन के समाचार मिला। पास में खड़े साथी मंत्री विश्वेंद्र ने सभी विधायकों को बता करके पहले वोटिंग करवाई। वोटिंग करने के बाद कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी विशेष हेलिकॉप्टर से जयपुर से 11:40 बजे बाड़मेर के लिए रवाना हुए। कलेक्टर के निर्देश पर हेलीपैड पर सभी चीजों की व्यवस्था की गई है।

1:35 पर पहुंचे जसोल हेलीपैड पर: मंत्री हेमाराम चौधरी सुबह वोट देकर विशेष हेलिकॉप्टर विमान से बाड़मेर के लिए रवाना हुए। जसोल हेलीपैड पर करीब 1:35 मिनट पर पहुंचे। इसके बाद मंत्री अपने पैतृक गांव जानियाना वास पहुंचे। इसके बाद भाई का अंतिम संस्कार किया गया। भाई बीते कुछ समय से बीमार थे।

सीएम ने ट्वीट गहरी संवेदना की प्रकट: सीएम ने ट्वीट करके लिख कि राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी के भाई लिखमाराम चौधरी के निधन पर मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर से प्रार्थना है शोकाकुल परिजनों को यह आघात सहने की शक्ति प्रदान करें एवं दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

प्रशासनिक अधिकारियों ने किया रिसीव: कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी विशेष हेलीकॉप्टर विमान से जसोल हेलीपेड पर पहुंचे। वहां पर एएसपी नितेश आर्य, एसडीएम नरेश सोनी, बालोतरा थानाधिकारी बाबूलाल सहित प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। वहीं, समाज के लोग भी हेलीपेड पर पहुंचे।

जयपुर में एसी का आउटडोर चुरायाः मुंह बांधकर आए दो बदमाशों ने की वारदात, प्लसर बाइक पर रखकर ले गए

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर में चोरों को गर्मी सताने लगी है। मानसरोवर इलाके में एक क्लिनिक के बाहर लगा 1 टन का आउटडोर को ही चोर खोल ले गए। बाइक सवार दो बदमाशों ने बुधवार रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। क्लिनिक के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों की करतूत कैद हो गई। मानसरोवर थाना पुलिस फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि सुमेर नगर विस्तार मांग्यावास निवासी डॉ. रवि शर्मा (44) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। गोल्यावास वीटी नीमडी बालाजी मंदिर के सामने उनकी आशीवार्द हेल्थ केयर के नाम से क्लिनिक है। बुधवार रात को रोज की तरह क्लिनिक बंद कर घर चले गए। चोरों ने क्लिनिक में लगे 1 टन के आउटडोर को निशाना बनाया। देर रात आए चोर AC आउटडोर को खोलकर ले गए। गुरुवार सुबह 10 बजे क्लिनिक आने पर AC काम नहीं कर रहा था। चैक करने पर पता चला कि AC का आउटडोर गायब है।

CCTV में कैद मिली करतूत: क्लिनिक के बाहर लगे CCTV फुटेजों को खंगाला। जिसमें रात करीब 2 बजे मुंह पर कपड़ा बंधे दो बदमाश AC आउटडोर चोरी करने घुसते नजर आ रहे है। करीब आधे घंटे के अंदर AC आउटडोर को खोलकर दोनों बदमाश उठाकर बाहर ले जाते है। जिसके बाद प्लसर पर बाइक पर रखकर दोनों बदमाश तेजी से मानसरोवर की ओर रवाना होते दिखाई दे रहे है।

हत्या से पहले कोचिंग छात्रा का किया था रेपः पत्थर से तीन बार सिर पर किया वार, बोला... मैं तो मरने आया था

कोटा। गांधीनगर (गुजरात) से आए युवक ने कोटा में मेडिकल की तैयारी कर रही 17 साल की स्टूडेंट के साथ पहले रेप किया था, फिर मर्डर। इसका खुलासा कोटा पुलिस ने किया है। आरोपी युवक की गिरफ्तारी हो गई है। उससे पूछताछ में कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। पुलिस की मानें तो युवक ने कहा कि वह यहां सुसाइड करने आया था। लड़की ने उससे बातचीत कम कर दी थी। इससे वह नाराज था। कोटा आने के बाद उसे पता चला कि उसकी गर्लफ्रेंड अब उससे रिलेशन नहीं रखना चाहती। इसी के बाद उसने खुद के मरने का प्लान कैंसिल कर गर्लफ्रेंड के मर्डर की योजना बना ली।

आखिरी बार मिलने के नाम पर होटल बुलाया: गांधीनगर के प्रांतियां गांव का रहने वाला किशन ठाकुर (22) 4 जून को कोटा आया था। यहां उसने डकनिया क्षेत्र में होटल लिया। स्क्केसर सिंह ने बताया कि 5 जून को उसने स्टूडेंट को फोन किया। उसने आखिरी बार मिलने का हवाला दिया। लड़की उससे संबंध नहीं रखना चाहती थी। आखिरी बार बुलाने के नाम पर वह होटल पहुंच गई। लड़की को किशन अपने कमरे में ले गया। उसके साथ रेप किया। 6 जून को उसने फिर स्टूडेंट को फोन कर मिलने बुलाया। किराए पर स्कूटी ली और उसे बैठाकर जंगल की ओर ले गया। किशन ने दोनों के बीच बातचीत कम होने को लेकर फिर बात शुरू की। लड़की ने दो टूक कह दिया- अभी वह पढ़ाई में बिजी है। इसलिए बात नहीं कर सकती। वह उससे कोई रिलेशन नहीं रखना चाहती। किशन ताव में आ गया। उसने बातों में उलझाकर छात्रा को एक जगह बिठाया। पीछे से एक बड़ा पत्थर लेकर स्टूडेंट के सिर पर फेंक दिया। वह निढाल होकर गिर गई। किशन ने एक और पत्थर उठाया और छात्रा के चेहरे पर दो बार दे मारा। मर्डर के बाद किशन नीचे चंबल की तरफ गया। खून से सने हाथ धोए।

पुलिस ने बनाईं टीमें: SP केसर सिंह ने बताया कि 7 जून को स्टूडेंट की लाश मिली थी। इसी के साथ अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। लोकेशन के आधार पर किशन के बारे में जानकारी लगी। इसकी पहचान किशन ठाकुर के रूप में हुई। आरोपी को पुलिस ने गुजरात एसओजी की मदद से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि करीब 1 साल से पब्जी और फ्री फायर गेम खेलने के दौरान उसकी छात्रा से पहचान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। एक-दूसरे के नंबर ले लिए। करीब 8 महीने से दोनों इंस्टा पर एक दूसरे से कनेक्ट थे। उनके बीच में फोन पर भी बातें होती रहती थीं। कोटा आने के बाद छात्रा ने पिछले डेढ़ महीने से उससे बात करना कम कर दिया। इसी को लेकर किशन के अंदर गुस्सा भरा था। गिरफ्तारी के बाद किशन यही कहता रहा- मैं खुद सुसाइड करने आया था। गुस्से में हत्या कर दी।

बस में बैठने से पहले बदले कपड़े: मर्डर करने के बाद किशन स्कूटी लेकर सीधे नयापुरा बस स्टैंड पहुंच गया। उसने स्कूटी मालिक को फोन कर वहां से स्कूटी ले जाने के लिए कहा। उसने अहमदाबाद के लिए वीडियो कोच बस का टिकट लिया। इससे पहले उसने एक जोड़ी कपड़े भी खरीदे। किशन ने स्लीपर कोच में कपड़े बदले। गांधीनगर पहुंचने के बाद वह निश्चिंत होकर इधर-उधर घूमता रहा। लड़की छत्तीसगढ़ की रहने वाली थी।

जयपुर के SMS हॉस्पिटल में मोबाइल चुराने वाले 2 गिरफ्तार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर की SMS हॉस्पिटल थाना पुलिस ने दो शातिर मोबाइल चोरों को शुक्रवार दोपहर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 21 मोबाइल और चोरी की एक स्कूटी बरामद की है। मोबाइल चोरी की ज्यादातर वारदात दोनों आरोपियों ने SMS हॉस्पिटल में की है। पुलिस पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। डीसीपी (ईस्ट) प्रहलाद कृष्णियां ने बताया कि मोबाइल चोरी में आरोपी सत्यम बहरुपिया (27) पुत्र मोहन निवासी इंदौर मध्य प्रदेश और जीतू कोली (35) पुत्र पूरण निवासी संतोष नगर टोंक को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी जयपुर में खानबदोश रहते है। स्स्र हॉस्पिटल, सिंधीकैम्प और रेलवे स्टेशन आदि के आसपास फुटपाथ पर रहकर जिंदगी बिताते है। एसएचओ नवरतन धौलिया को शुक्रवार मुबखिर से सूचना मिली कि SMS हॉस्पिटल के गेट नंबर-5 के पास चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में स्कूटी सवार दो लड़के घूम रहे है। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने मोबाइल चोर होना स्वीकार किया। उसके पास मिली स्कूटी भी चोरी की है। स्कूटी की डिग्गी में चोरी के 21 मोबाइल मिले है। पुलिस ने चोरी की स्कूटी और 21 मोबाइल बरामद किए है। **शौक-मौज के लिए करते वारदात:** एसएचओ नवरतन धौलिया ने बताया कि दोनों आरोपी पिछले काफी समय से यहां खानाबदोश रह रहे है। ज्यादातर मोबाइल चोरी की वारदात स्स्र हॉस्पिटल में करना स्वीकार किया है। उसे अलावा हॉस्पिटल के आसपास थड़ी-दुकान से भी लोगों के ध्यान हटने पर मोबाइल चुरा ले जाते थे। चोरी के मोबाइल को बेचने के लिए SMS हॉस्पिटल के आसपास लोगों को चिन्हित करते। उनको बताते कि उनका पेसेंट हॉस्पिटल में भर्ती है। सीरियस हालत में एडमिट होने की कारण मोबाइल बेचना बताते। 10-20 हजार रुपए कीमत का मोबाइल सौदा जितने में पट जाए, उतने में बेच कर रुपए ले लेते थे। चोरी के मोबाइल को बेचने से मिले रुपयों को शौक-मौज में यूज लेते थे।

महिला ने सुसाइड कियाः फंदा लगाकर जान दी, ससुर पर दहेज के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप

हिलव्यू समाचार

दौसा। जिले के सिकंदरा थाना इलाके के राणोली गांव में फंदे से झूलने से विवाहिता की मौत हो गई। महिला ने घर के कमरे में लुगड़ी से फंदा लगाकर जान दे दी। सूचना पर सिकंदरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस की सूचना पर विवाहिता के पीहर पक्ष में लोग भी अस्पताल पहुंचे, जिन्होंने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आत्महत्या की वजह की पड़ताल में जुट गई है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता के भाई सतीश महावर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 2009 में उसकी बहन ज्योति की शादी रानोली निवासी सतीश कोली के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही ससुर नवरत्न उसकी बहन को दहेज को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। 9 जून को भी ससुर ने उसकी बहन से झगड़ा किया था। झगड़े के कारण मानसिक रूप से परेशान होकर उसकी बहन ने घर के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर पति को सुपुर्द कर दिया।

पूरे प्रदेश में वकीलों का उग्र प्रदर्शनः कलेक्ट्री सर्किल-हाईकोर्ट के बाहर रास्ता रोका वकीलो ने, न्याय की मांग

हिलव्यू समाचार

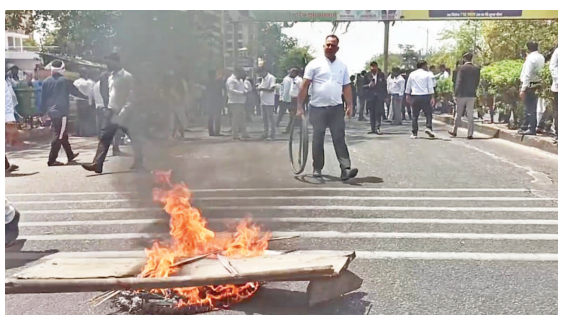

जयपुर। खंडेला सीकर के अधिकवक्ता हंसराज मावलिया के आत्महत्या केस को लेकर जयपुर के वकील सड़कों पर हैं। सेशन कोर्ट के बाहर पेड गिराकर रोड जाम कर दिया गया है वहीं हाईकोर्ट के बाहर वकीलों ने मुख्यमार्ग को जामकर दिया है। वकीलों की मांग है कि इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच की जाए। एसडीएम और पुलिस अधिकारी के खिलाफ एक्शन लिया जाए। राज्य सरकार की ओर से अभी तक इस मामले में कोई पक्ष नहीं आया है। सांसद हनुमान बेनीवाल भी वकीलों के इस आंदोलन का हिस्सा बने। धरना स्थल पर पहुंच कर बेनीवाल ने कहा कि सरकार अगर 24घंटे में एक्शन नहीं लेगी तो पूरे राजस्थान को ठप कर दिया जाएगा । वकील की आत्महत्या मामले को लेकर वकीलों में खासा आक्रोश हैं।

हाईकोर्ट के बाहर गहलोत मुर्दाबाद के लगे नारे: वकीलों ने हाईकोर्ट के बाहर गहलोत मुर्दाबाद के नारे लगाये।वकीलों की मांग है कि जल्द से जल्द एसडीएम और पुलिस अधिकारी के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाए। उनके खिलाफ मुकदमें दर्ज हों जिससे की मृतक वकील हंसराज को न्याय मिल सके। एसडीएम और पुलिस अधिकारी कैसे वकीलों को प्रताणित करते हैं यह सुसाइड नोट में साफ दिखाई दे रहा है। एक वकील इस लिए मर गया क्यों की हर केस में आदेश करने के लिए एसडीएम पैसा मांग रहा था। अगर सरकार ने एक्शन नहीं लिया तो वकीलों का अंदोलन बड़ा रूप लेगा।

राष्ट्रीय अमन व इंसाफ कांफ्रेंस 12 जून को

जयपुर के कर्बला में जुटेंगे देश भर के इस्लामी

कौमी एकजुटता का देंगे संदेश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ज्वाइंट एक्शन फोरम राजस्थान की ओर से जयपुर के कर्बला मैदान में 12 जून को शाम 6:00 बजे राष्ट्रीय अमन, इंसाफ कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश भर से बड़ी संख्या में इस्लामी विद्वान शामिल होंगे। इस अधिवेशन से देश भर में शांति व सद्भाव का संदेश देंगे। कॉन्फ्रेंस में एक लाख से अधिक लोग देशभर से आएंगे, वहीं इनमें करीब 50त्न संख्या महिलाओं की होंगी। फोरम के कन्वीनर हाफिज मंजूर अली खान एवं ज्वाइंट कन्वीनर मुफ्ती अखलाकुर्रहमान कासमी ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना खलीलुर रहमान सज्जाद नोमानी करेंगे। मुख्य अतिथि बरेली शरीफ के तौकीर रजा खान

होंगे। विशिष्ट अतिथि मुफ्ती आजम राजस्थान मोहम्मद जाकिर नोमानी, शाही इमाम लुधियाना पंजाब के मौलाना मोहम्मद उस्मान, बामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार काले साहब तथा पॉपुलर फ्रंट के जनरल सेक्रेटरी अनीस अहमद, संयुक्त किसान मोर्चा व जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष राजाराम मील, शिया आलिम मौलाना सैयद मोहम्मद सादिक हुसैनी तथा जमीयत अहले हदीस के अमीर मौलाना असगर अली इमाम मेहदी होंगे।

यह होंगे विशेष आमंत्रित अतिथि: वहीं अधिवेशन में पूर्व सांसद ओबेदुल्ला खान आजमी, बिहार, उड़ीसा और झारखंड के अमीरे शरियत मौलाना अहमद अली फैसल रहमान, दलित चिंतक एवं डॉ बीआर अंबेडकर के पोते डॉक्टर राजरत्न अंबेडकर, अजमेर दरगाह के सैयद सरवर चिश्ती, मौलाना महमूद दरियाबादी, हैदराबाद की डॉ. आसमा जोहरा, टोंक के मौलाना मुफ्ती आदिल खान नदवी, शहर काजी कोटा मौलाना काजी जुबेर, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद फाउंडेशन के चेयरमैन हबीब खान गारनेट, जयपुर से समाजसेवी एवं स्टार जेम्स के डायरेक्टर सुरूर अहमद सहित अन्य समाजसेवी एवं इस्लामी विद्वान विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि कांफ्रेंस की कामयाबी को लेकर राजधानी जयपुर सहित प्रदेश भर में सभाएं, मुलाकातें व दीगर कार्यक्रम प्रति दिन आयोजित किए जा रहे हैं।

महिलाएं भी होंगी शामिल: ज्वाइंट एक्शन फोरम के कन्वीनर हाफिज मंजूर अली खान एवं को- कन्वीनर मुफ्ती अखलाक उर रहमान कासमी ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के इस्लामी विद्वान भी राष्ट्रीय अधिवेशन में विशेष आमंत्रित होंगे। कॉन्फ्रेंस में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल होंगी। जिनकी व्यवस्था अलग से की जाएगी। कॉन्फ्रेंस में इस्लामी उसूलों का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

बनेगी सकारात्मक रणनीतिः सुरूर अहमद

समाजसेवी एवं स्टार जेम्स के डायरेक्टर सुरूर अहमद ने कहा कि नफरत के मौजूदा माहोल को बदलने एवं भविष्य की सकारात्मक रणनीति को जाग्रत किया जाएगा। इन्होंने सभी समाज के लोगों से सांप्रदायिक एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की है, ताकि सांप्रदायिक शक्तियों के मंसूबों को नाकाम किया जा सके। उन्होंने देश से सांप्रदायिकता के खात्मे का लोगों से आहवान करते हुए देश व समाज हित में कार्य करने पर विशेष बल दिया।

राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की 14वीं समीक्षा बैठक

गौशालाओं के भौतिक सत्यापन का कार्य समयबद्ध पूर्ण करेंः मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने निर्देश दिये की गौशालाओं के भौतिक सत्यापन का कार्य समयबद्ध पूर्ण किया जाये ताकि गौवंशों के विकास के कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हो सके। शर्मा शासन सचिवालय स्थित कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से गौसंरक्षण एवं संवर्धन निधि की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की 14वीं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के अप्रेल, मई, जून व जुलाई की प्रथम चरण की सहायता राशि की प्रक्रिया तय समय में पूरी की जाए। गोपालन विभाग के शासन सचिव श्री पूर्ण चन्द्र किशन ने गत बैठक में लिऐ गये निर्णयों की प्रगति की जानकारी एवं आगामी गोपालन विभाग की कार्य योजना के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। बैठक में पंचायती राज शासन सचिव श्री नवीन जैन, आपदा प्रबन्धन शासन सचिव श्री आशुतोष ए.टी.पेडणेकर, वित्त सचिव (व्यय) श्री नरेश कुमार ठकराल, आयुक्त कृषि श्री कानाराम महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक श्री महावीर प्रसाद, स्वायत शासन विभाग निदेशक श्री ह्रदेश कुमार एवं गोपालन विभाग निदेशक डॉ. लाल सिंह एवं विभाग के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक नजर

महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम में बदले 7 स्कूल

इसी सेशन से शुरू होंगी क्लास, गांवों के स्टूडेंट को मिलेगी अंग्रेजी की फ्री एजुकेशन

दौसा। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना में दौसा जिले में 7 सरकारी स्कूलों को महात्मा गांधी अंग्रेजी मीडियम माध्यमिक स्कूल में बदल दिया किया गया है। इसमें 6 राउप्रावि व एक राउमावि है। इन स्कूलों में सेशन 2022-23 से क्लास शुरू की जाएंगी। इसमें अहम बात यह है कि कोई स्कूल स्वतत्रंता सेनानी या भामाशाह के नाम से संचालित है तो उसका नाम राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में बदल दिया जाएगा। यानी स्वतत्रंता सेनानी व भामाशाह का नाम नहीं हटेगा। इसमें सर्वाधिक 3 स्कूल महवा ब्लॉक की हैं, जबकि बांदीकुई व सिकराय ब्लॉक में 2-2 स्कूल हैं। बांदीकुई ब्लॉक में राबाउप्रावि गुढ़ाकटला व राबाउप्रावि बडियाल कलां शामिल हैं। इसी प्रकार सिकराय ब्लॉक में राउप्रावि बालिका बहरावंडा, राउप्रावि हींगी तथा महुवा ब्लॉक में राउप्रावि रसीदपुर, राबाउमावि हडिया व राबाउमावि बालाहेड़ी शामिल हैं, जिन्हें माध्यमिक स्कूल में बदला गया गया है। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक घनश्याम मीणा के गांव हींगी का स्कूल भी शामिल है।

अपर प्राइमरी से सीनियर सेकंडरी में क्रमोन्नत हुई 7 स्कूल: जिले के 7 मीडिल स्कूलों को सीनियर सेकंडरी स्कूल में क्रमोन्त किया गया है। इसमें लालसोट ब्लॉक में राउप्रावि श्रीरामपुरा, गोल, दौसा ब्लॉक में राउप्रावि कालीखाड़, सिकराय के अंतर्गत राउप्रावि रामगढ़, अगावली, गनीपुर तथा बांदीकुई ब्लॉक में राउप्रावि खूंटला को सीनियर स्कूल में क्रमोन्नत किया हैं। विद्यालय क्रमोन्नयन सत्र 2022-23 से शुरू होंगे क्रमोन्नित के साथ ही स्कूलों में टीचर्स व अन्य कार्मिकों के पद भी स्वीकृत किए गए हैं।

प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनेगी और मीसाबंदियो की फिर से पेंशन शुरू होगी : राजे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि राजस्थान में फिर से प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों की पेंशन वापस शुरू होगी, जो सीएम अशोक गहलोत सरकार ने बंद कर दी है। पूर्व सीएम राजे भाजपा द्वारा जामडोली में आयोजित विधायक अभ्यास वर्ग में 'आपातकाल और लोकतंत्र बहाली में हमारी भूमिका विषय पर बोल रही थी। उन्होंने कहा कि जब वे पहली बार मुख्यमंत्री बनी तब,हमारी सरकार ने मीसा और डीआईआर के तहत जेल गए सभी लोगों की पेंशन चालू की,पर जब 2008 में अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने इस योजना को बंद कर दिया। उसके बाद 2013 में जब वापस हमारी सरकार आई तो हमने फिर से मीसाबंदियों और डीआईआर के तहत जेल जाने वालों की न केवल पेंशन चालू की बल्कि हमने उन्हें लोकतंत्र सेनानियों का दर्जा भी दिया। बाद में जब 2018 में अशोक गहलोत मुख्य मंत्री बने तो उन्होंने फिर मीसा बंदियों की पेंशन बंद कर दी।

राजे ने कहा कि वर्ष 2023 में फिर भाजपा सरकार बनेगी और जो अशोक गहलोत ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान छीना है,उसे ब्याज सहित वापस लौटाएगी।उनकी पेंशन चालू करेगी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भेष बदलकर जेल जाया करते थे और जेल में हमारे नेताओं के पास महत्वपूर्ण जानकारियां पहुंचाते थे।हमारे जिन नेताओं के पीछे पुलिस लगी हुई थी,वे उन्हें स्कूटर से एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाते थे।

राजे ने कहा कि आपातकाल की भावना कोंग्रेस के मन से अब भी नहीं निकली है।आज भी उसका आचरण आपातकाल जैसा ही है।उन विधायकों के पीछे पुलिस लगा रखी है जो सरकार के अंग है।ऐसा सलूक तो अपराधियों के साथ किया जाता है,जैसा ये सरकार अपने ही विधायकों के साथ कर रही है। यह इमरजेंसी नहीं तो और क्या है ? उन्होंने अटल जी की कविता 'अब अंधेरा छँटेगा,सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा के साथ अपना भाषण ख़त्म किया।

ट्रक-कार की भीषण टक्कर, दंपती समेत चार की मौत

बहू को डॉक्टर को दिखाने गए थे, पति-पत्नी भी गंभीर घायल

हिलव्यू समाचार

बीकानेर। ट्रक-कार की भीषण टक्कर में पति-पत्नी सहित चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में दंपती के बेटा-बहू गंभीर घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार का आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसा बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में बुधवार देर रात को 2 बजे हुआ।

श्रीडूंगरगढ़ थाना प्रभारी वेदपाल श्योराण ने बताया कि हादसा बीकानेर-श्रीडूंगरगढ़ नेशनल हाईवे पर रिलायंस पेट्रोल पंप के पास हुआ। सरदारशहर की तरफ से कार बीकानेर की ओर आ रही थी, जबकि ट्रक बीकानेर से जा रहा था। दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई है। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। एक्सीडेंट के कुछ देर बाद ही रास्ते से गुजर रहे लोगों ने घायलों को बाहर निकाला। पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक तीन की मौत हो गई थी, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हादसे में जगदीश (45) निवासी गिरगिचिया सरदारशहर, संतोष देवी (35) पत्नी जगदीश, रामदयाल (30) पुत्र हस्तीराम रामसिंह नगर और आरिफ (19) पुत्र नवाब अली निवासी शिमला भानीपुरा चूरू की मौत हो गई। हादसे में जगदीश का 20 साल का बेटा रमेश कुमार और बहू पूजा (18) गंभीर घायल हो गए। पति-पत्नी को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

बहू का इलाज कराने आए थे

लंबे समय से दंपती की बहू पूजा की तबीयत खराब चल रही थी। उसे सरदारशहर के किसी डॉक्टर को दिखाया गया, जिसने पीबीएम हॉस्पिटल ले जाने की सलाह दी थी। यहां उसे दिखाने के बाद बुधवार देर रात वापस गांव के लिए रवाना हो गए। पूजा के ससुर जगदीश और सास संतोष देवी और पति रमेश कुमार साथ आए थे। ये किराए की टैक्सी लेकर आए थे।

सास ने जवाई पर लगाया दुष्कर्म का आरोप: दुपट्टे से मुंह बंद कर किया दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी

जयपुर। मानसरोवर थाने में सास ने अपने दामाद के खिलाफ मारपीट, दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। पीड़िता ने आरोप लगाया है 3 जून को वह अपनी गर्भवती बेटी के घर उसके कहने पर गई थी। रात करीब 3 बजे जवाई राजू उदगलि घर पर आया। इस दौरान पीड़िता अपनी गर्भवती बेटी के साथ सो रही थी। जवाई राजू ने घर में घुसते ही झगड़ा करना और गाली गलौज करना शुरू कर दिया। बेटी और उसके साथ मारपीट की। पड़ोसियों ने बीच बचाव किया, जिसके बाद पीड़िता रात अधिक होने के कारण मकान की छत पर जाकर सो गई।

अल सुबह करीब 4 से साढे 4 बजे के बीच आरोपी छत पर आया और पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने लगा। जिस पर पीड़िता ने विरोध किया और उसे अपने रिश्तों का हवाला दिया लेकिन उसके बाद भी आरोपी राजू उदगलि नहीं माना। पीड़िता के विरोध करने पर राजू ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। वह चीखे इससे पहले दुपट्टे से उसका मुंह बंद कर उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। आरोपी मौके से भागते समय पीड़िता को धमकी देकर गया कि किसी को बताया तो वह उसकी बेटी को नहीं छोड़ेगा। घटना के बाद आरोपी भाग गया आरोपी राजू उदगलि दुष्कर्म के बाद छत से नीचे उतरा और भाग गया। पीड़िता नीचे उतरी और बेटी को अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। जिस पर पीड़िता अपनी बेटी के साथ मानसरोवर थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी राजू उदगलि के खिलाफ 41 वर्षीय सास को मारने और उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी एसआई संदीप ने बताया कि पीड़िता की ओर से 7 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद पीड़िता का मेडिकल करवाया गया। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी।

मानसून में इस बार सड़कें बनेगी दरिया

जयपुर में आधे नाले भी साफ नहीं हुए; नालों की संख्या 30 फीसदी बढ़ी

जयपुर। जयपुर में हर साल की तरह इस बार भी मानसून में लोगों को सड़कों पर पानी भरने की समस्या से गुजरना पड़ सकता है। जयपुर नगर निगम प्रशासन की लापरवाही के कारण इस साल भी शहर के नालों की सफाई का काम पूरा नहीं हो सका। मानसून से पहले हर साल नालों की सफाई का काम करवाया जाता है और इस बार अभी तक 50 फीसदी भी नालों की सफाई भी नहीं हुई है। जबकि इस बार पिछले साल के मुकाबले जयपुर शहर में नालों की संख्या 30 फीसदी बढ़ गई और उनकी सफाई का बजट 200 फीसदी बढ़ाया गया है।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021 के अंदर जयपुर शहर में 911 नालों की सफाई का काम करवाया गया, जिस पर कुल 5.5 करोड़ रुपए खर्च किए गए। ये खर्चा और नालों की संख्या दोनों नगर निगम की है। वहीं इस साल नालों की संख्या 911 से बढ़कर 1189 हो गई है, जबकि इनकी सफाई का खर्चा 5.5 करोड़ रुपए से बढ़कर 16.78 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

नगर निगम हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर ने आज सुबह शहर का दौरा किया तो कई जगह नालों में गंदगी दिखी, जिसके बाद उन्होंने निगम अधिकारियों को फटकार लगाई और सफाई के काम की स्पीड तेज करने के निर्देश दिए।

मानसून आने में 17 दिन बचे: प्रदेश में मानसून आने में अब 20 दिन भी शेष नहीं है। मौसम केन्द्र नई दिल्ली के मुताबिक इस साल राजस्थान में मानसून 20 जून तक आने की संभावना है, जबकि सामान्य तौर पर राज्य में मानसून 25 जून तक प्रवेश कर जाता है। ऐसे में 25 जून की तारीख भी मानकर चले तो अब 17 दिन ही बचे है, लेकिन नालों की सफाई का काम अब तक पूरा नहीं हुआ।

2 बार करवाई जाती है सफाई: नगर निगम प्रशासन की ओर से नालों की सफाई का काम दो बार करवाया जाता है। इसमें एक बार तो 20 मई तक काम पूरा होता है। इसके बाद प्री-मानसून बारिश के दौरान दूसरी बार नालों की सफाई का काम होता है।

पति पोर्न वीडियो देखकर करता है रेप: पत्नी ने कहा

मुझे घिन आती है; ससुर बोला... जो करता है, उसे करने दे

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पति मोबाइल पर पोर्न वीडियो दिखाता है। फिर उसी तरह करने का दबाव बनाता है। मुझे यह सब देखकर घिन आती है। पति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। वो रोज मेरा रेप करता है। मेरे साथ अननेचुरल सेक्स करता है। ऐसा करने से मना करती हूं तो जबरदस्ती करता है। मुझे पीटता भी है। यह शिकायत है 26 साल की विवाहिता की। शादी के करीब छह महीने बाद ही उसका सुख-चैन छिन गया है। ससुर से शिकायत की तो दो टूक सुनने को मिला- बेटा जैसा कहे, वैसा कर दो। विवाहिता से यह सब बर्दाश्त नहीं हुआ तो रामगंज थाने पहुंची और सास, ससुर, पति पर स्नद्बक्र कराई है। फिलहाल तीनों फरार बताए जा रहे हैं।

जबरन दिखाता था पोर्न वीडियो: रामगंज थाना के जांच अधिकारी बनेसिंह ने बताया कि पीड़िता की शादी 22 नवम्बर 2021 को हुई थी। पति फाइनेंस कंपनी में काम करता है। शादी के कुछ दिन तक तो सब ठीक रहा। बाद में पति की हकीकत सामने आने लगी। वह गलत तरीके से संबंध बनाता था। कुछ दिन तो शिकायत नहीं की, लेकिन जब परेशानी ज्यादा होने लगी तो विरोध करना शुरू कर दिया। विरोध के बावजूद पति नहीं माना। लगभग रोज ही मोबाइल पर पोर्न वीडियो दिखाता था। कहता था कि वीडियो देख ले ऐसे ही खुश करना होगा। मना करने पर जबरदस्ती और मारपीट करता था।

घिन्न आती थी ये सब देखकर: पीड़िता ने कहा कि यह सब देख कर घिन आती थी। पति पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन तो वह सब सहती रही। पहले अपनी मां को इन सब बातों की जानकारी दी। मां ने कहा कि नई-नई शादी है। कुछ दिन में सब ठीक हो जाएगा। कई दिन बीत जाने के बाद भी कुछ ठीक नहीं हुआ। महिला बोली- सास और ससुर से इस संबंध में बात की, लेकिन उन्होंने धमकाते हुए कहा कि जो करने को कहे कर दो। बाद में पति ने कई बार पिटाई तक कर दी। रामगंज पुलिस ने बताया कि बेहद गंभीर केस है। मारपीट और अननेचुरल संबंध बनाने (धारा 377) समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द होगी।

बिना रिपोर्ट लिखे लौटाया था: पीड़ित महिला पहले टीचर थी। शादी के बाद उसने पढ़ाना बंद कर दिया था। उधर, महिला की आपबीती सुन पुलिस वाले भी दंग रह गए। पहली बार जब वह 5 जून को थाने गई तो बिना शिकायत दर्ज किए ही उसे लौटा दिया था। पुलिस का कहना है कि काउंसलिंग की गई थी। वह दुबारा 8 मई को थाने गई। तब जाकर पुलिस वालों ने संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज की है।

जयपुर में घर में घुसकर महिला से रेप

मिलने आए परिचित ने अकेला देख की दरिंदगी, पति नहीं था घर पर

जयपुर। जयपुर में घर में घुसकर परिचित युवक ने महिला से रेप किया। पति की गैर मौजूदगी में डरा-धमकाकर आरोपी रेप करने लगा। तीन साल से दरिंदगी का शिकार पीड़िता ने सुभाष चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले की जांच एसएचओ जयप्रकाश पूनिया कर रहे है। एसएचओ जयप्रकाश पूनिया ने बताया कि पानों का दरीबा सुभाष चौक निवासी 34 साल की महिला ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी निरंजन मंडल कोलकाता का रहने वाला है। दोनों पहले एक साथ जॉब करते थे, जिसके कारण एक-दूसरे से बातचीत थी। आरोपी निरंजन मंडल का घर पर भी आना-जाना था। आरोप है कि साल 2020 में आरोपी निरंजन उसके घर आया था। घर में अकेला पाकर आरोपी ने जबरन उसके साथ रेप किया। इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद आरोपी निरंजन पति की गैरमौजूदगी में घर आता। डरा-धमकाकर उसके साथ रेप करता। पिछले तीन सालों से आरोपी की दरिंदगी से परेशान होकर पीड़िता ने पति को आपबीती सुनाई। पति के साथ थाने पहुंचकर पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

स्टेट हाईवे पर भी अब फास्टैग से कटेगा टोल: जुलाई से होगी शुरुआत, साल के अंत तक पूरा होगा काम

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया की तर्ज पर अब राजस्थान में स्टेट हाईवे पर भी टोल के लिए आपको कैश नहीं देने पड़ेंगे। स्टेट हाईवे बनाने वाली एजेंसी राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. (RSLDC) और रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डवलेपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ राजस्थान (RIDCOR) ने भी फास्टैग के जरिए टोल वसूली की तैयारियां शुरू कर दी हैं। RSLDC ने जयपुर के दो स्टेट हाईवे से इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के तहत करने का फैसला किया है। इसे जुलाई के अंत तक शुरू किया जाएगा। रिडकोर ने जुलाई अंत तक अपने सभी टोल बूथों पर फास्टैग सिस्टम शुरू

करने की बात कही है।

साल के अंत तक पूरा हो जाएगा काम: राजस्थान में राजस्थान स्टेट रोड डवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. और RID-COR के कुल 51 स्टेट हाईवे हैं, जिनके कुल 136 टोल बूथ हैं। RSLDC के एमडी संदीप माथुर की मानें तो RSLDC के बनाए स्टेट हाईवे पर फास्टैग का काम जुलाई से शुरू हो जाएगा। फिलहाल इसे जयपुर में जयपुर-भीलवाड़ा और जयपुर-जोबनेर हाईवे पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जाएगा। राजस्थान में RSLDC के 37 स्टेट हाईवे हैं, जिन पर 105 टोल बूथ हैं। इन सभी पर फास्टैग लगाने का काम इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

टोल लीकेज भी बचाया जा सकेगा: रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ राजस्थान (रिडकोर) ने भी अपने सभी स्टेट हाईवे पर जुलाई तक फास्टैग लगाने पर काम शुरू करवा दिया है। रिडकोर अधिकारियों ने बताया कि जुलाई अंत तक रिडकोर के 14 स्टेट हाईवे के 31 टोल बूथों पर इसे शुरू किया जाएगा। अधिकारियों की मानें तो इससे न केवल लोगों के समय की बचत होगी, बल्कि टोल लीकेज भी बचाया जा सकेगा।

नहीं बनवाना पड़ेगा दूसरा फास्टैग: इन हाईवे पर उसी फास्टैग से पैसा कटेगा, जो वर्तमान में लोगों की गाड़ियों पर लगे हैं। स्टेट हाईवे की इन एजेंसियों ने एनएचएआई (NHAI) से दो महीने पहले एक टाइअप किया था। इसमें फास्टैग लगाने और उनसे टोल टैक्स वसूली करने का समझौता हुआ था। टोल की दरें वही रहेंगी, जो अभी हैं।

पच्चीस लाख लघु एवं सीमान्त किसानों को मिलेंगे निःशुल्क बीज मिनीकिट: कृषि मंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राज्य सरकार पच्चीस लाख लघु एवं सीमान्त किसानों को निःशुल्क बीज मिनीकिट वितरित करेगी। खरीफ वर्ष 2022 में दस लाख किसानों को संकर बाजरा बीज के मिनीकिट, जिसमें प्रति कृषक डेढ़ किलो बाजरे का पैकेट होगा। विभाग द्वारा प्रति पैकेट कृषि साहित्य भी वितरित करने का लक्ष्य निर्धारित है। यह बीज एक एकड़ क्षेत्र के लिए पर्याप्त होंगे।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने बताया कि सरकार द्वारा कृषि के समग्र विकास के लिए ग्यारह मिशन प्रारम्भ किये गये हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण बीज उत्पादन एवं वितरण मिशन है। इस कार्यक्रम के तहत दक्षिणी राजस्थान के अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के आठ लाख कृषको को निःशुल्क संकर

मक्का बीज मिनीकिट वितरित किये जायेंगे, जिसमें प्रति कृषक पांच किलो का पैकेट, जो कि 0.2 हैक्टर क्षेत्र के लिये पर्याप्त है, वितरित किये जायेंगे। राज्य में दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख 74 हजार कृषकों को मूंग, 31 हजार कृषकों को उड़द एवं 26 हजार कृषकों को मोठ फसल के प्रति कृषक 4 किलो बीज मिनीकिट निःशुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। यह बीज 0.25 हैक्टर क्षेत्र के लिये पर्याप्त होंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **शालिनी श्रीवास्तव के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादक: हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**